श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 15, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 21 अगस्त, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

'सबसे स्वच्छ शहर' इंदौर बना दुनिया के लिए रोल मॉडल : सीएम शिवराज सिंह चौहान

भोपाल, पीटीआइ। इंदौर को लगातार चौथी बार देश के सबसे साफ शहर का खिताब मिला। भारत के सबसे स्वच्छ शहर घोषित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि इंदौर अब स्वच्छता में दुनिया के लिए एक आदर्श बन गया है। उन्होंने कहा 'स्वच्छता अब इंदौर की प्रकृति है' और अपने नागरिकों की सराहना की जिन्होंने इस उपलब्धि को संभव बनाया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्वच्छता सर्वेक्षण के पांचवें संस्करण 'स्वच्छ सर्वेक्षण-2020' के परिणामों की घोषणा की। इसमें मध्य प्रदेश के औद्योगिक केंद्र इंदौर को भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में चुना गया। इस दौरान साफ-सफाई को लेकर बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को पुरस्कृत भी किया गया। वहीं दूसरे स्थान पर गुजरात का सूरत और तीसरे पर महाराष्ट्र का नवी मुंबई है। चौहान ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के परिणाम घोषित किए जाने के तुरंत बाद ट्वीट किया, 'स्वच्छ मध्यप्रदेश के साथ समृद्ध मध्यप्रदेश के सपने को पूरा करने के लिए हम एक साथ आगे बढ़ेंगे।' उनके

द्वारा ट्वीट करते हुए कहा गया, 'स्वच्छता अब इंदौर का स्वरूप है। शहर अब स्वच्छता में दुनिया के लिए एक आदर्श बन गया है। समर्पण के लिए इंदौर के लोगों, जन प्रतिनिधियों और नगर निगम के लोगों को मेरी हार्दिक बधाई।' उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव का क्षण था कि इंदौर को देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में घोषित किया गया। यह सफल परिणाम 4,275 शहरों को पछाड़ कर सामने आया। केंद्र सरकार ने गुरुवार को स्वच्छता सर्वेक्षण के पांचवें संस्करण 'स्वच्छ सर्वेक्षण- 2020' के परिणामों की घोषणा की। लगातार चौथी बार इंदौर को देश के सबसे साफ शहर का खिताब मिला। इससे पहले वह 2017, 2018, 2019 में शीर्ष स्थान पर रहा। वहीं दूसरे स्थान पर गुजरात का सूरत और तीसरे पर महाराष्ट्र का नवी मुंबई है। पहले संस्करण में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार कर्नाटक के मैसूर ने हासिल किया था।

स्वच्छता सर्वेक्षण में चौथे नंबर पर विजयवाडा, पांचवें पर अहमदाबाद,छठे पर राजकोट, सातवें पर भोपाल, आठवें पर चंडीगढ़, नौवें पर विशाखापत्तनम और दसवें नंबर पर वडोदरा रहा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में जालंधर कैंट को सबसे स्वच्छ छावनी घोषित किया गया। वहीं, वाराणसी गंगा नदी के किनारे बसा सबसे साफ शहर रहा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी।

त्रिपुरा में कोरोना वायरस के 190 नए मामले, अब तक 65 लोगों की मौत

अगरतला, पीटीआइ। त्रिपुरा में 190 से अधिक लोगों की कोरोना वायरस (सीओवीआईडी -19) परीक्षण की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। गुरुवार को अधिकारियों ने कहा कि इसी के साथ उत्तर-पूर्वी राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या 7,853 तक पहुंच गई है। अधिकारी ने कहा कि नए मामलों ने राज्य में एक्टिव उडश्क्क-19 मामलों की संख्या 2,205 कर दी है, जबकि 5,565 लोग अब तक इस बीमारी से उबर चुके हैं और 18 मरीज अन्य राज्यों में चले गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में अब तक 65 सीओवीआईडी -19 रोगियों ने संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया है। अधिकारी ने आगे कहा कि त्रिपुरा ने सीओवीआईडी -19 के लिए अब तक 2,30,719 नमूनों का परीक्षण किया है। बात करें देश में कोरोना वायरस मामलों की तो देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 28 लाख के पार पहुंच गई है। देश में कोरोना वायरस इस वक्त चरम पर पहुंच गया है। दैनिक स्तर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार, देश में फिलहाल, कोरोना वायरस के 686,395 एक्टिव केस हैं। कुल मामलों में से अब तक 2,096,664 संक्रमित लोग अब तक ठीक हो चुके हैं। वहीं, देश में कोरोना के कारण अब तक 53,866 लोगों की मौत हो चुकी है। देश में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला राज्य महाराष्ट्र है। राज्य में 5 लाख से अधिक लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस से अब तक 2 करोड़ 23 लाख से अधिक लोग संक्रमित हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा कोरोना के मामले अमेरिका में सामने आए हैं। अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर कोरोना संक्रमितों के मामले में ब्राजील है और तीसरे स्थान पर है भारत। गौरतलब है कि कोरोना वायरस की शुरूआत पिछले साल हुई थी। जब सबसे पहला मामला चीन के वुहान शहर में दर्ज किया गया था।

शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले शहरों को पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, एएनआइ। गुरुवार को जारी स्वच्छ सर्वेक्षण लिस्ट में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले शहरों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। आज पीएम मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए 'स्वच्छ सर्वेक्षण- 2020' के परिणाम घोषित किए थे। इसमें मध्य प्रदेश का इंदौर शहर लगातार चौथी बार पहले पायदान पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, उन सभी शहरों को बधाई, जिन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अन्य शहरों को भी स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयासों को और तेज करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इस तरह की प्रतिस्पर्धात्मक भावना से स्वच्छ भारत मिशन मजबूत होता है और लाखों लोगों को लाभ होता है। साल 2017, 2018, 2019 के बाद अब 2020 में भी इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है। वहीं, दूसरे पर गुजरात का सूरत और तीसरे पर स्थान पर महाराष्ट्र का नवी मुंबई है। बता दें कि स्वच्छ सर्वेक्षण के पहले संस्करण में कर्नाटक के मैसूर को सबसे साफ शहर का खिताब मिला था, उसके अगले साल से हर बार यह खिताब इंदौर को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश का वाराणसी शहर गंगा नदी के किनारे बसा सबसे स्वच्छ शहर है। वहीं, स्वच्छ सर्वेक्षण लिस्ट में चौथे नंबर पर विजयवाडा, पांचवें पर अहमदाबाद,छठे पर राजकोट, सातवें पर भोपाल, आठवें पर चंडीगढ़, नौवें पर विशाखापत्तनम और दसवें नंबर पर वडोदरा रहा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में जालंधर कैंट को सबसे स्वच्छ छावनी घोषित किया गया।

अवमानना मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को रखा सुरक्षित, भूषण को माफी मांगने का आदेश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। न्यायालय की अवमानना मे दोषी ठहराए जा चुके वकील प्रशांत भूषण अभी भी टस से मस होने के तैयार नहीं है। बल्कि उन्होंने अपने ट्वीट पर कायम रहते हुए माफी मांगने से इनकार कर दिया। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने भूषण को बिना शर्त माफी मांगने के लिए एक और मौका दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर भूषण चाहें तो 24 अगस्त तक बिना शर्त माफी दाखिल कर सकते हैं और अगर भूषण बिना शर्त माफी मांगते हैं तो कोर्ट मामले पर 25 अगस्त को फिर विचार करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को प्रशांत भूषण को सजा के मुद्दे पर बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में कोर्ट जल्दी ही सुनवाई करके सजा के पर फैसला सुना सकता है क्योंकि सुनवाई कर रही तीन सदस्यीय पीठ के अध्यक्ष जस्टिस अरुण मिश्रा 2 सितंबर को सेवानिवृत होने वाले हैं। ऐसे में भूषण की सजा पर फैसला इससे पहले आने की उम्मीद है।

अपने ट्वीटस में भूषण ने मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की मोटरसाइकिल पर बैठी तस्वीर पर टिप्पणी की थी और दूसरे ट्वीट में चार पूर्व मुख्य न्यायाधीशों के कार्यकाल पर टिप्पणी की थी। सुनवाई की शुरूआत में भूषण की ओर से पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की दलील देते हुए कोर्ट से सजा पर सुनवाई टालने का आग्रह किया गया था लेकिन कोर्ट ने आग्रह ठुकरा दिया और बहस सुनी। हालांकि कोर्ट ने भरोसा दिलाया कि अगर सजा दी जाती है तो उस पर पुनर्विचार याचिका दाखिल होने तक अमल नहीं किया जाएगा। गुरुवार को बहस में भूषण की

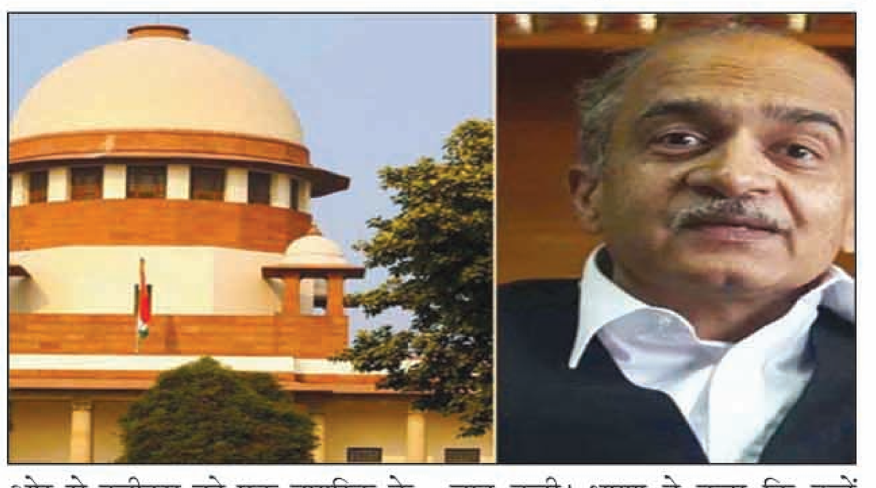

ओर से ट्वीट्स को एक नागरिक के तौर कर्तव्य निर्वहन बताते हुए सही मंशा से की गई आलोचना बताया गया। भूषण की ओर से वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे और राजीव धवन ने बहस की लेकिन प्रशांत भूषण स्वयं भी कोर्ट के समक्ष पेश हुए और उन्होंने न्यायालय की अवमानना के जुर्म में दोषी ठहराए जाने पर पीड़ा होने की बात कही। भूषण ने कहा कि उन्हें पीड़ा इस बात की नहीं है कि उन्हें दोषी ठहराया गया पीड़ा इस बात की है कि गलत समझा गया। उनका कहना था कि उन्होंने जो भी कहा वह बहुत सोच समझकर सही मंशा से कहा था और इस पर माफी मांगना उन्हें सही नहीं लगता। भूषण ने महात्मा गांधी के वक्तव्य का हवाला दिया जिसमें गांधी जी ने कहा था कि - वे दया करने या उदारता दिखाने की गुजारिश नहीं कर रहे। वह कानून सम्मत जो सजा होगी उसे भुगतने को तैयार हैं। भूषण ने इस संबंध में कोर्ट को लिखित बयान (कथन) दिया। पीठ ने जब भूषण से कथन पर पुनर्विचार करने के लिए दो तीन दिन का समय दिये जाने की बात कही तो भूषण ने कहा कि इसकी जरूरत नहीं है क्योंकि उन्हें नहीं लगता कि वे अपना कथन बदलेंगे। हालांकि बाद में भूषण राजी हो गए और कहा कि वह इस पर वकीलों से बात करेंगे।

सुनवाई के दौरान अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कोर्ट से कहा कि भूषण को दोषी तो ठहराया जा चुका है लेकिन कोर्ट उन्हें दंडित न करे। इस पर पीठ ने वेणुगोपाल से कहा कि भूषण ने अपने लिखित बयान में जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया है उसे देखते हुए कोर्ट उनकी बात नहीं मान सकता। जब भूषण ने कहा समय देने की जरूरत नहीं तो कोर्ट ने कहा कि बाद में मत कहियेगा कि उन्हें समय नहीं दिया गया। धवन ने कहा कि अवमानना के मामले में मंशा महत्वपूर्ण होती है। वह सही मंशा से की गई आलोचना थी। धवन ने भूषण द्वारा दाखिल की गई जनहित याचिकाओं का हवाला दिया इस पर पीठ ने कहा कि भूषण के किये गए अच्छे कामों का वे स्वागत करते हैं लेकिन अच्छे कामों से गलत चीजें खतम नहीं हो जातीं। हर चीज में संतुलन होना चाहिए। अगर अपनी टिप्पणियों को संतुलित नहीं करते तो आप संस्था को नष्ट कर देंगे। हर चीज की लक्ष्मण रेखा होती है। आपको रेखा पार नहीं करनी चाहिए।

एक सितंबर से महंगा हो जाएगा फ्लाइट का किराया

नई दिल्ली, पीटीआइ। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 1 सितंबर से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों से उच्च विमानन सुरक्षा शुल्क (एएसएफ) वसूलने का फैसला किया है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारीयों ने कहा कि हवाई यात्रा थोड़ा महंगा होगा और घरेलू यात्रियों के लिए एएसएफ को अगले महीने से शुरू होने वाले 150 रुपये से बढ़ाकर 160 रुपये कर दिया जाएगा और अंतरराष्ट्रीय यात्री 1 सितंबर से एएसएफ के रूप में 4.85 अमेरिकी डॉलर के बदले 5.2 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करेंगे। एयरलाइंस यात्रियों द्वारा टिकट बुक किए जाने के समय एएसएफ वसूलती है फिर सरकार को देती है। एएसएफ का काम देश भर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए किया जाता है। मंत्रालय ने पिछले साल भी अरत्र्ञ को बढ़ाया था। 7 जून, 2019 को मंत्रालय ने कहा कि घरेलू यात्रियों को एएसएफ के रूप में 130 रुपये के बजाय 150 रुपये का शुल्क देना होगा और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को 1 जुलाई, 2019 से एएसएफ के रूप में 3.25 अमेरिकी डॉलर के बजाय 4.85 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लिया जाएगा। कोरोनावायरस महामारी को देखते हुए भारत और अन्य देशों में लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के कारण विमानन क्षेत्र काफी प्रभावित हुआ है। भारत में सभी एयरलाइनों ने नकदी की सुरक्षा के लिए वेतन में कटौती, बिना वेतन के छुट्टी जैसे मजबूत उपाय किए हैं। कोरोनावायरस लॉकडाउन के कारण दो महीने के अंतराल के बाद भारत ने 25 मई को घरेलू यात्री उड़ानों को फिर से शुरू किया। हालांकि, भारतीय घरेलू उड़ानों में औसत ऑक्यूपेंसी दर 25 मई से लगभग 50-60 फीसद रही है। कोरोनावायरस महामारी के कारण 23 मार्च से भारत में अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें निलंबित हैं। हालांकि, विशेष अंतरराष्ट्रीय उड़ानें विमानन नियामक निदेशालय जनरल ऑफ सिविल एविएशन की मंजूरी से चल रही हैं।

दिल्ली के साथ लगते 19 जिलों में बारिश का खतरा मंडराया, जानें क्या कहता है मौसम विभाग

नई दिल्ली, एएनआइ। पिछले दो दिनों से तेज बारिश का तंश झेल चुके दिल्ली के आस-पास के जिलों में आने वाले समय में बारिश का खतरा अभी भी मंडरा रहा है। मौसम विभाग से मिली जानकारी से ये संकेत मिले हैं। विभाग ने कहा कि अगले दो घंटों में 19 जिलों में गरज के साथ बारिश का अनुमान है। इन जिलों में सोनीपत, बागपत, बड़ौत, गन्नौर, गोहाना, पानीपत, खुर्जा, ग्रेटर नोएडा, नोएडा, संभल, गलौटी, हापुड़, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मोदीनगर, मेरठ और सियाना शामिल हैं। इसके अलावा विभाग ने देश के और भी कई हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। IMD के मुताबिक, ओडिशा के उत्तरी तटीय इलाके में निम्न दबाव वाला क्षेत्र बना हुआ है। निम्न दबाव वाले क्षेत्र का निर्माण होना चक्रवात का पहला चरण होता है। वहीं, अगले 24 घंटे में इसके पश्चिम की तरफ बढ़ने और दबाव वाला क्षेत्र बनने की काफी आशंका जताई जा रही है।

तिरंगा फहराने वाले 30 ग्रामीणों को नक्सलियों ने पीटा

दंतेवाड़ा, जेएनएन। स्वतंत्रता दिवस पर गांवों में तिरंगा झंडा फहराए जाने से खीझे नक्सली अब गांवों में पहुंचकर दहशत फैला रहे हैं। बुधवार की रात कटेकल्याण थाना क्षेत्र के चिकपाल गांव के करीब 30 ग्रामीणों को नक्सली जंगल ले गए और वहां लाठी और लात-घूसों से जमकर पिटाई की। घायल ग्रामीण जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज करा रहे हैं, लेकिन दहशत के चलते मुंह नहीं खोल रहे हैं। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि नक्सली लीडर माहंगु, डोले, मंगतू, पदामी, सुखराम, मड्डा आदि ने उनकी पिटाई की है।

स्वतंत्रता दिवस पर चिकपाल-मारजूम इलाके में 18 स्थानों पर पुलिस व जिला प्रशासन ने तिरंगा फहराया था। इससे नाराज नक्सली अब ग्रामीणों के साथ मारपीट कर रहे हैं। बुधवार की रात नक्सली और उनके लीडर चिकपाल गांव के स्कूलपारा, पदामीपारा और पटेलपारा आए थे। यहां के करीब 30 ग्रामीणों को घरों से उठाकर पदामीपारा की ओर जंगल में ले गए। वहां पहले से मौजूद नक्सली लीडरों ने उनकी लाठी से पिटाई की। गुरवार सुबह इसकी खबर मिलने पर कटेकल्याण थाना और कैंप की फोर्स ग्रामीणों के पास पहुंची लेकिन नक्सलियों के डर से वे कुछ भी बताने से बच रहे हैं। ग्रामीणों की पीठ, पिंडली में चोट के निशान हैं।

थानेदार सावन सारथी ने बताया कि कुछ घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। पीड़ितों ने बताया कि 15 अगस्त को झंडा फहराने और नक्सली की सूचना पुलिस तक पहुंचाने का आरोप लगाकर उनके साथ मारपीट की गई है।

टूट सकती है जनगणना की 130 साल की परंपरा, पहला चरण हो चुका है स्थगित

नीलू रंजन, नई दिल्ली। कोरोना के कारण 130 साल में पहली बार जनगणना की परंपरा टूटने का खतरा खड़ा हो गया है। दो भागों में होने वाली जनगणना का पहला भाग घरों और मवेशियों की गिनती का काम 30 सितंबर तक पूरा होना था, लेकिन अभी इसकी कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। यदि कोरोना का कहर अगले साल जनवरी तक नहीं थमा तो फरवरी में होने वाली व्यक्तियों की गिनती का काम भी रुक सकता है। ध्यान देने की बात है कि भारत दुनिया के गिने-चुने देशों में है, जहां 1881 से लगातार हर 10 साल पर जनगणना होती रही है। यहां तक कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान भी 1941 में इसे रोका नहीं गया था। आजादी के पहले फरवरी और मार्च के बीच कभी भी जनगणना होती रही थी, लेकिन आजादी के बाद 1951 से इसे नौ फरवरी से 28 मार्च के बीच तय कर दिया गया। उसके बाद एक और तीन मार्च को दोबारा इस दौरान जन्मे नए बच्चों की गिनती की जाती रही है, ताकि उस साल एक मार्च को देश की असली जनसंख्या का पता चल सके। लेकिन कोरोना के कारण इस बार इसके टलने का खतरा बढ़ गया है।

दरअसल भारत में जनगणना दो चरणों में होती है। पहले चरण में एक अप्रैल से 30 सितंबर के दौरान देश में सभी घरों और मवेशियों की गणना होती है। इस बार इसके साथ असम को छोड़कर देश के अन्य हिस्से में नेशनल पापुलेशन रजिस्टर (ठढफ) को भी अपग्रेड किया जाना था। लेकिन कोरोना के कारण लगे पहले लॉकडाउन के साथ ही 25 मार्च को भारत के महापंजीयक (रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया) ने जनगणना के पहले चरण और एनपीआर को अपग्रेड करने की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया। उस समय आरजीआइ को उम्मीद थी कि दो-तीन महीने में कोरोना का कहर थमने के बाद नवंबर के पहले कभी भी पहले चरण को पूरा कर लिया जाएगा। लेकिन हालात यह है कि कोरोना के मामले कम होने के बजाय दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। नवंबर से सर्दियों के मौसम में बर्फबारी के कारण देश के कई भागों का संपर्क कट जाने की स्थिति में अब यह काम इस साल संभव नहीं दिख रहा है। आरजीआइ के अधिकारियों का मानना है कि इस साल किसी भी स्थिति में जनगणना के पहले चरण को पूरा करना संभव नहीं होगा।

सुशांत डेथ केस की सीबीआइ जांच पर शरद पवार का बड़ा बयान

मुंबई, आइएएनएस। सुशांत सिंह राजपूत मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। सीबीआइ अब इस मामले में आगे की जांच करेगी। सुशांत सिंह राजपूत मौत के मामले की सीबीआइ जांच पर एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने बड़ा बयान दिया है। एनसीपी चीफ शरद पवार ने एक शक्तिशाली टिप्पणी में कहा और उन्होंने जताई कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत का मामला, 2013 के नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड की जांच जैसा नहीं होना चाहिए जिसे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अब तक नहीं सुलझा पाई है।

दिवंगत विरोधी कार्यकर्ता

दाभोलकर को उनकी 7 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एनसीपी सुप्रीमो ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार सुशांत जांच में सीबीआई का सहयोग करेगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुशांत मामले की जांच को सीबीआई को सौंपे जाने के फैसले पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में शरद पवार ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि सुशांत मामले की जांच, दाभोलकर हत्या मामले की तरह नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने 2014 में जांच शुरू की थी, लेकिन आज तक कोई निर्णायक नतीजा नहीं निकला है।

जाने-माने बुद्धिवादी और महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (टअठर) के संस्थापक नरेंद्र दाभोलकर को 20 अगस्त 2013 की सुबह उनके पुणे स्थित घर के पास गोली मार दी गई थी। इस मामले में महाराष्ट्र पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका का संज्ञान लिया और 2014 में इसे सीबीआई को जांच के लिए सौंप दिया।हालांकि राज्य पुलिस द्वारा जांच पर कोई संदेह नहीं उठाया गया था।

इसके अलावा एक बयान में दिवंगत दाभोलकर के बच्चे, भाई-बहन हमीद और मुक्ताने ने तर्क दिया कि सात साल बाद भी दाभोलकर की हत्या एक रहस्य है।उन्होंने कहा था कि यह बेहद दुखद है कि सीबीआई जैसी एजेंसी जांच पूरी नहीं कर पाई है। उन्होंने सीबीआई से भी साजिश के मास्टरमाइंडों का पता लगाने का आग्रह किया अन्यथा तर्कवादी विचारकों, कार्यकताओं और पत्रकारों के लिए खतरा बना रहेगा।

कोविड-19 : एक दिन में सर्वाधिक नौ लाख से ज्यादा लोगों का हुआ टेस्ट

नई दिल्ली, एएनआइ। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने एक दिन में सर्वाधिक 9,18,470 लोगों में कोरोना का टेस्ट किया है। इसके साथ ही देश में अब तक कुल तीन करोड़ 26 लाख 61 हजार 252 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं। बता दें कि देश में कोरोना टेस्टिंग काफी तेजी से चल रही है। कुछ दिन पहले ही आइसीएमआर ने आंकड़े जारी करके जानकारी दी थी कि अब तक तीन करोड़ से ज्यादा दोनों की कोरोना जांच की जा चुकी है, जिसमें से एक करोड़ टेस्ट सिर्फ दो हफ्तों में किए गए। स्वास्थ्य

मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 69,652 नए मामले सामने आए हैं और 977 लोगों की मृत्यु हो गई है। इस दौरान सर्वाधिक नौ लाख 18 हजार 470 सैंपल टेस्ट हो गए हैं। वहीं, देश में अब तक कुल 28 लाख 336 हजार 926 मामले सामने आ गए हैं। इनमें से छह लाख 86 हजार 395 एक्टिव केस है। इनमें से 20 लाख 96 हजार 665 मरीज ठीक हो गए हैं और 53 हजार 866 लोगों की मौत हो गई है। अब तक कुल तीन करोड़ 26 लाख 61 हजार 252 सैंपल टेस्ट हो गए हैं। रिकवरी रेट 73.91 फीसद हो गया है और डेथ रेट 1.90 फीसद है।

जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के मुताबिक, दुनियाभर में अब तक दो करोड़ से ज्यादा लोगों में कोरोना के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। विश्व में अभी तक 2,24,27,939 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं जबकि 7,88,030 लोगों की मृत्यु इसके संक्रमण से हो चुकी है। बता दें कि कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में अमेरिका टॉप पर है। वहीं ब्राजील दूसरे और तीसरे स्थान पर भारत है।

संक्षेप समाचार

जल जमाव होने से लोगो को दिक्कत

करछना। क्षेत्र के बीरपुर बाजार मे जल जमाव होने से राहगीरों को फजीहत उठानी पड रही है। बाजार में नाली न बनने के कारण घरो का पानी सडको पर बहता है। यह समस्या बारिश के दिनो मे और बढ़ जाती है जिससे जहां राहगीरों के साथ,साथ दुकानदारो को भी फजीहत उठानी पडती है। साथ ही राहगीर गिरकर आये दिन चुटहिल भी होते रहते है। किन्तु जिम्मेदार समस्या के प्रति अनजान बने रहते है। कईबार लोगो ने स्थानीय लोगो ने इसकी शिकायत भी किया लेकिन समस्या के प्रति विभागीय जिम्मेदार उदासीन बने रहते है। इसी प्रकार क्षेत्र की कई बाजारो मे जलजमाव से लोगो को दिक्कत उठानी पड रही है। जिसे लेकर स्थानीय लोगो मे गहरी नाराजगी व्याप्त है।

प्रयागराज में असलहों के तीन तस्कर गिरफतार, तमंचा एवं बम बरामद

लालापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक यमुनापार चक्रेश मिश्रा के मार्गदर्शन में अवैध असलहा रखने वाले शातिर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लालापुर थाना प्रभारी अमित राय द्वारा की गई बड़ी कार्रवाई अवैध असलहा व बम की तस्करी करने वाले 3 शातिर अपराधी मुन्ना सिंह उर्फ भूपेंद्र रामसुंदर निषाद रामनिलन निषाद कुल आलापुर पुलिस ने विस्फोटक सामान के साथ किया गिरफ्तार कर भेजा जेल वही लालापुर पुलिस ने तीनों आरोपियों के पास से 03 देशी तमंचा, 04 जिन्दा कारतूस व 15 देशी नाजायज बम बरामद किया इन शातिर गिरोह के अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए लालापुर थाना प्रभारी अमित राय अपने पुलिस टीम के साथ लगातार दबिश दे रहे थे आज मुखबिर के द्वारा लालापुर थाना प्रभारी अमित राय को सूचना मिली भिलोरा नहर पुलिया के पास कुछ बदमाश इंतजार कर रहे हैं असलहा एवं बम के व्यापार करने वाले शातिर अपराधी आने वाले हैं सूचना पर विश्वास करते हुए थाना प्रभारी अमित राय मौके पर पहुंचकर घेराबंदी करके अवैध कारोबार में संलिप्त तीन शातिर अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की आपको बता दें मीडिया को जानकारी देते हुए थाना प्रभारी लालापुर अमित राय ने बताया कि क्षेत्र में किसी तरह का अवैध कारोबार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा इन शातिर अपराधियों की जड़ कहां तक है उसे भी खोजने में हम जल्द ही सफलता हासिल करेंगे क्षेत्र को अवैध कारोबार एवं नशा से मुक्त करना है।

लालापुर पुलिस की गिरफ्त में तस्कर

सम्पत्ति क्षति दावा अधिकरण की पीठ लखनऊ व मेरठ बनाने के विरोध में वकीलों ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। सम्पत्ति क्षति दावा अधिकरण की स्थापना प्रयागराज में न करके लखनऊ और मेरठ में इसकी पीठें बनाए जाने के विरोध में वकीलों ने बृहस्पतिवार को सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया। वहीं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र नाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कर इस पूरे मामले से अवगत कराया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में वकीलों ने हाईकोर्ट के सामने प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि अधिकरण की स्थापना प्रयागराज में ही की जानी चाहिए। क्योंकि यहां हाईकोर्ट की प्रधानपीठ स्थित है। वैधानिक व्यवस्था के अनुसार अधिकरण वहीं बनाया जा सकता है, जहां हाईकोर्ट की प्रधानपीठ हो। प्रदेश सरकार ने ऐसा न करके संविधानिक व्यवस्था और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनदेखी की है।

रास्ते के विवाद में चली गोली से वृद्धा सहित दो घायल

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र स्थित पिपरांव गांव में रास्ते के विवाद में गुरूवार को दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद एक पक्ष ने लाइसेंसी असलहों से फायर झोंक दिए। जिससे एक वृद्ध महिला व एक युवक घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। वहीं किसी अप्रिय घटना से निपटने के लिए गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है। तहरीर मिलने पर आरोपियों के खिलाफ औद्योगिक क्षेत्र थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित पिपरांव गांव निवासी ओम प्रकाश पांडेय पुत्र स्वः रामप्रसाद पांडेय व मनमोहन पांडेय पुत्र हरिवंश दीन पांडेय के बीच काफी समय से रास्ते और आबादी की जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा है। गुरुवार सुबह लगभग 7:30 बजे मनमोहन पक्ष से जुड़े लोग ओम प्रकाश पांडेय के घर पर पहुंचे और उक्त विवाद को लेकर कहासुनी करने लगे। विरोध करने पर लाइसेंसी राइफल व बंदूकों से फायरिंग कर दिए। जिससे ओम प्रकाश पांडेय की भाई कमल पांडेय (32) पुत्र सुरेश पांडेय के बाएं हाथ में गोली लग गई। जबकि उनकी दादी को भी गोली लगने से जख्मी हो गई। ताबड़तोड़ फायरिंग होने से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक घटना को अंजाम देने वाले हमलावर फरार हो चुके थे। आनन-फानन में पुलिस ने दोनों घायलों को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चाका लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने काल्विन हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिए। भुक्तभोगी ओम प्रकाश पांडेय की तहरीर मिलने पर पुलिस ने मनमोहन पांडेय समेत आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश में ताबड़तोड़ दबिश देने में जुटी हुई है।

क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव मिलने से हड़कंप

लालापुर। लालापुर थाने में तैनात पीआरबी 112 के सिपाही मुजीब खान की गुरुवार को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने से पूरे थाना परिसर में हड़कम्प मच गया। आपको बता दें कि मुजीब खान ने गुरुवार को जसरा सीएचसी में अपना कोरोना टेस्ट करवाया जहाँ उनकी पहली रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। बता दें कि रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे थाने में हड़कंप मच गया,साथ ही थाना को पूरी तरह से सील कर सभी को क्वारन्टीन कर दिया गया। वहीं क्षेत्र के ही गिधार गांव में बब्लू पाण्डेय और ओढगी गांव में पीयूष तिवारी की रिपोर्ट पॉजिटिव आने से पूरे गांव में हड़कम्प मचा हुआ है,साथ ही ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है।

झोलाछाप डॉक्टर की दवाई से मरीज की मौत मचा

बरौत। हडिया थाना क्षेत्र के बरौत चौकी अन्तर्गत पकलोर गांव में एक युवक झोलाछाप डॉक्टर का शिकार होकर अपनी जान गवा बैठा। वही पीड़ित ने हण्डिया थाने में नामजद झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पकलोर थाना हडिया गांव निवासी श्यामलाल पाल जो एक किसान है। जिनका भतीजा अजय दिल्ली में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता था। लाक डाउन की वजह से वह घर आ गया था। 16 अगस्त को अजय की अचानक तबीयत खराब हो गई। उसके पेट में दर्द उठा तथा उल्टी होने लगी जिससे परिजनों ने अजय को रात होने के कारण औरा में स्थित एक झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक पर दिखाया। जहां झोलाछाप डॉक्टर ने इलाज शुरू किया तथा मरीज को आराम नहीं लग रहा था फिर भी डॉक्टर ने पैसे के चक्कर मे आरोप है कि झोलाछाप डॉक्टर ने 18 अगस्त को शाम इंजेक्शन लगाए जिससे अजय की तबीयत ज्यादा खराब होने लगी परिजनों का आरोप है कि पूरे शरीर में इंफेक्शन हो गया। वही 24 घंटे के अंतराल में मृत्यु हो गई। अजय पाल की मृत्यु से परिजनों में कोहराम मच गया। चाचा श्यामलाल पाल ने हण्डिया थाने में झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ थाने में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अजय पाल की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। झोलाछाप डॉक्टर के इस कारनामे से क्षेत्र में रोष व्याप्त है। इस संबंध में कोतवाल हड़िया शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस जांच कर रही है रिपोर्ट आने के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत पचदेवरा वि0खंड करछना, प्रयागराज

टेंडर/ कोटेशन

मनरेगा /चतुर्थ वित्त/ 14 वां 15 वां वित्त योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत **पचदेवरा** विकास खंड करछना में अधोहस्ताक्षरी कार्यों के आगणन /प्राक्कलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्यस्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचा कर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बंद लिफाफे में टेंडर /कोटेशन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 19 अगस्त 2020 से 27 अगस्त 2020 को अपराहन 3:00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेंडर /कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा। आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/ टेंडर फार्म उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं। नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्य दिवस में देखी जा सकती है। तथा टेंडर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10:00 से 12:00 तक प्रत्येक कार्य दिवस में की जाएगी। किसी एक व समस्त टेंडर /कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत **पचदेवरा** में निहित होगा। टेंडर/कोटेशन दिनांक 27 अगस्त 2020 को अपराहन 4:00 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जाएगा। टेंडर /कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 27 अगस्त 2020 तक कार्यालय अवधि में समय 3:30 अपराहन तक जमा किया जा सकता है। निम्नांकित कार्य पर जिस जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यालय /नोटिस बोर्ड पर चस्पा है। उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम के अंतर्गत जीएसटी का भुगतान किया जाएगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जीएसटी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के 1 माह के अंदर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा। उसके उपरांत ही अगला भुगतान किया जाएगा। उस भुगतान पर भी उक्त नियम एवं शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य में उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जाएगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	पंचायत भवन मरम्मत कार्य	380000.00	15 दिन
2.	सामुदायिक शौचालय निर्माण	249000.00	15 दिन
3.	पूर्व मा0वि0 मोगलहा में टाइल्स कार्य	410000.00	15 दिन
4.	हैण्डपम्प रिबोर कार्य	150000.00	15 दिन

दरबारी लाल, सचिव
(ग्रा0पं0 विकास अधिकारी)
ग्राम पंचायत पचदेवरा
विकास खंड करछना, प्रयागराज

राम निरंजन
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत पचदेवरा
विकास खंड करछना जनपद प्रयागराज

पत्रांक - ग्रा0पं0सचिव /टेंडर /कोटेशन /2020 -21

शान्तिपूर्ण ढंग से मनायें गणेश चतुर्थी का पूजन और मोहर्रम का जुलूस

बैठक में लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाये जाने की अपील करते सीओ बारा

लालापुर। लालापुर थाना परिसर में आगामी त्योहारों को क्षेत्राधिकारी बारा राम प्रकाश दोहोरी की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। जिसमें आगामी त्योहारों को शांति पूर्वक मनाने की अपील की गई गणेश चतुर्थी व मुहर्रम के त्यौहार एवं कोविड-19 की गाइडलाइंस का पालन कराने के लिए बैठक में तय हुआ कि ना तो गणेश प्रतिमा सजाई जाएगी ना न मोहर्रम का जुलूस निकलेगा क्षेत्राधिकारी बारा रामप्रकाश दोहरे ने कहा कि इस बार कोविड-19 देखते हुए कोई भी त्यौहार केवल शांतिपूर्वक मनाया जाना है कोई भी त्यौहार शांतिपूर्वक मनाया जाएगा सीओ बारा ने सभी लोगो से निवेदन है कि या त्यौहार आप अपने घर में मनाए । क्योंकि इस समय महामारी कोरोना वायरस में लोग बहुत परेशान है और आप लोग भी सतर्कता बरतें की जरूरत है प्रशासन की गाइडलाइंस का सभी लोगों को पालन करना बहुत अनिवार्य है। और आप लोग स्वयं सुरक्षित रहेंगे तभी दूसरे को सुरक्षित रहने का आश्वासन दे पाएंगे इसीलिए आप लोग जागरूक होईए है और बिना मुंह में मार्क्स लगाएं कहीं ना निकले और जो भी प्रशासन का आदेश है वह आप लोग शांति पूर्वक माने और अपने अपने घरों में शांति पूर्वक अपना त्यौहार खुशी के साथ मनाएं क्योंकि इस महामारी में लोग बहुत ही परेशान हैं। बैठक में थानाअध्यक्ष लालापुर अमित कुमार राय व दरोगा उमेश यादव दरोगा पवन गौतम व हेड कांस्टेबल अलोक सिंह सुनील यादव जय प्रकाश राय गरिमा कुशवाहा, हशा चैहान, राजू प्रधान अमिलिया सुशील प्रधान भटपुरा खुर्शीद आलम प्रधान पांडुआ उचित यादव प्रधान गोइसरा पप्पू सिंह छतहरा भोला सिंह गोझवार सीलू पाण्डेय आदि लोग मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत भड़ेवरा वि0खंड करछना, प्रयागराज

टेंडर/ कोटेशन

मनरेगा /चतुर्थ वित्त/ 14 वां 15 वां वित्त योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत **भड़ेवरा** विकास खंड करछना में अधोहस्ताक्षरी कार्यों के आगणन /प्राक्कलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्यस्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचा कर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बंद लिफाफे में टेंडर /कोटेशन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 20 अगस्त 2020 से 28 अगस्त 2020 को अपराहन 3:00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेंडर /कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा। आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/ टेंडर फार्म उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं। नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्य दिवस में देखी जा सकती है। तथा टेंडर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10:00 से 12:00 तक प्रत्येक कार्य दिवस में की जाएगी। किसी एक व समस्त टेंडर /कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत **भड़ेवरा** में निहित होगा। टेंडर/कोटेशन दिनांक 28 अगस्त 2020 को अपराहन 4:00 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जाएगा। टेंडर /कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 28 अगस्त 2020 तक कार्यालय अवधि में समय 3:30 अपराहन तक जमा किया जा सकता है। निम्नांकित कार्य पर जिस जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यालय /नोटिस बोर्ड पर चस्पा है। उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम के अंतर्गत जीएसटी का भुगतान किया जाएगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जीएसटी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के 1 माह के अंदर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा। उसके उपरांत ही अगला भुगतान किया जाएगा। उस भुगतान पर भी उक्त नियम एवं शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य में उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जाएगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	सामुदायिक शौंचालय पुरूष निर्माण कार्य	3.12 लाख	15 दिन
2.	पंचायत भवन निर्माण कार्य	16.21 लाख	60 दिन
3.	सामुदायिक शौंचालय महिला	3.12 लाख	15 दिन

(मनीष कुमार)
(ग्रा0पं0 विकास अधिकारी)
ग्राम पंचायत भड़ेवरा
विकास खंड करछना, प्रयागराज

माधुरी देवी
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत भड़ेवरा
विकास खंड करछना जनपद प्रयागराज

पत्रांक - ग्रा0पं0सचिव /टेंडर /कोटेशन /2020 -21

कार्यालय ग्राम पंचायत मेड़रा वि0खंड करछना, प्रयागराज

टेंडर/ कोटेशन

मनरेगा /चतुर्थ वित्त/ 14 वां 15 वां वित्त योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत **मेड़रा** विकास खंड करछना में अधोहस्ताक्षरी कार्यों के आगणन /प्राक्कलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्यस्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचा कर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बंद लिफाफे में टेंडर /कोटेशन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 20 जुलाई 2020 से 05 अगस्त 2020 को अपराहन 3:00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेंडर /कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा। आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/ टेंडर फार्म उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं। नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्य दिवस में देखी जा सकती है। तथा टेंडर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10:00 से 12:00 तक प्रत्येक कार्य दिवस में की जाएगी। किसी एक व समस्त टेंडर /कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत **मेड़रा** में निहित होगा। टेंडर/कोटेशन दिनांक 05 अगस्त 2020 को अपराहन 4:00 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जाएगा। टेंडर /कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 05 अगस्त 2020 तक कार्यालय अवधि में समय 3:30 अपराहन तक जमा किया जा सकता है। निम्नांकित कार्य पर जिस जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यालय /नोटिस बोर्ड पर चस्पा है। उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम के अंतर्गत जीएसटी का भुगतान किया जाएगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जीएसटी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के 1 माह के अंदर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा। उसके उपरांत ही अगला भुगतान किया जाएगा। उस भुगतान पर भी उक्त नियम एवं शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य में उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जाएगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	सामुदायिक शौंचालय निर्माण कार्य	3.12 लाख	2 माह
2.	पंचायत भवन निर्माण कार्य	19.83 लाख	2 माह

महेश कुमार
(ग्रा0पं0 विकास अधिकारी)
ग्राम पंचायत मेड़रा
विकास खंड करछना, प्रयागराज

मनोरंजन प्रसाद निषाद
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत मेड़रा
विकास खंड करछना जनपद प्रयागराज

पत्रांक - ग्रा0पं0सचिव /टेंडर /कोटेशन /2020 -21

लगातार हो रही चोरियो से लोगो में आक्रोश

करछना। इन दिनों करछना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से लोगों मे आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि जब से नये प्रभारी सुरेन्द्र वर्मा ने करछना थाने का कार्यभार संभाला है तब से अबतक आधा दर्जन चोरी की घटनाओ के अलावा तीन हत्या भी हो चुकी है। जिससे यह प्रतीत होता है कि पुलिस की सिथिलिता के चलते क्षेत्र मे अपराध का ग्राफ तेजी से बढ रहा है। तहसील परिसर से दो राजस्वकर्मी की बाइक, करछना गांव से एक बाइक चोरीएबीआरसी करछना से एक बाइक चोरी हुई। वही भीरपुर मे तीन दुकानो मे हुई चोरी, अतहिया मे चोरी की घटनाए हो चुकी है।

कई गांवों में मार पीट, एक दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र में मामूली बात को लेकर कई गांवों में लडाई झगडे में कई जख्मी हुए हैं । पुलिस ने एक दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है । मिली जानकारी के अनुसार थरवई थाना क्षेत्र के ग्राम बाकरगंज निवासी उदयराज पुत्र ईश्वरनाथ का आरोप है कि उसने अपनी बहन कांति देवी की शादी कहली निवासी श्यामलाल के साथ किया था । जिसे आनायास कांति का पति श्याम लाल और देवर श्याम बाबू ने मार पीट कर भगा दिए । मऊआइमा पुलिस ने पति और देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है । उधर ग्राम देवापुर निवासनीय अंजू देवी पत्नी दिलीप कुमार का आरोप है कि बकरी के विवाद को लेकर उसे पडोसी ने मारा पीटा । पुलिस ने प्रदीप कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है । उधर ग्राम सिकंदरपुर निवासी ओमप्रकाश पुत्र ननकूराम का आरोप है कि रास्ते के विवाद को लेकर उसे और परिजनों को मारा पीटा गया । पुलिस ने अरूण पटेल ,विजय कुमार, जगदीश ,अजीत कुमार, चन्द्रवती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है ग्राम शाहबाजपुर निवासनीय साबिरा बानों पत्नी मोहम्मद खलील का आरोप है कि बालू हटाने के विवाद को लेकर पडोसी उसे और उसकी बहू साइदा बानों ,सालिम ,सोनू उर्फ शाहिद को मार पीट कर जख्मी कर दिया गया ।

विजलेंस टीम सहित विभाग के अधिकारियों ने क्षेत्र में छापा पारा

लालापुर। बिजली विभाग लालापुर क्षेत्र में विजलेंस टीम सहित विभाग के बुधवार को विलयेन्स टीम और एसडीओ संजीव कुमार श्रीवास्तव, जेई आशीष कुमार, व संविदा कर्मचारी लालापुर में बिजली उपभोक्ताओं को कनेक्शन दिया गया ग्रामीणों ने कनेक्शन लिए अपना अपना कागज जमा किये और घरों में मीटर लगा के कनेक्शन दिया गया।क्षेत्र की बिजली व्यवस्था और जर्जर तार को लेकर शिकायत भी की एसडीओ संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि आप कनेक्शन लेगे उसके बाद ही हम कुछ कर सकते हैं।

जन अधिकार पार्टी ने किया समीक्षा बैठक

खीरी। जन अधिकार पार्टी का जिला समीक्षा बैठक में माननीय प्रदेश अध्यक्ष जन अधिकार पार्टी रमेश चंद्र निषाद में कहा कि पार्टी में कार्यकर्ता महत्वपूर्ण होते हैं। पार्टी में हर एक कार्यकर्ता का सम्मान करना चाहिए। पार्टी के जिला समीक्षा बैठक में साहब लाल कुशवाहा ने संचालन के दौरान पार्टी के मूल बिंदुओं को मौजूद लोगों के सामने रखा। समीक्षा बैठक में मंडल अध्यक्ष जगत सिंह, जमुनापार जिला अध्यक्ष ओंकार नाथ, गंगा पार जिलाध्यक्ष सुभाष मौर्य, महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष लीलावती देवी ने पार्टी को आगे बढ़ाने की रणनीति बनाने पर बल दिए।बैठक खीरी बाजार के देव भूमि इंटर नेशनल स्कूल में सम्पन्न हुआ। वही बैठक में संतोष बाबू, कपिल कुशवाहा, पप्पू पाल, अनुज वर्मा, बसंत बहादुर बिंद, बीएन सिंह पटेल, आर्यन पटेल, विकास वर्मा, विकास बाल्मीकि, सतीश कुशवाहा समेत दर्जन भर लोग मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक करते जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ता

कार्यालय ग्राम पंचायत भुण्डा वि0खंड करछना, प्रयागराज

टेंडर/ कोटेशन

मनरेगा /चतुर्थ वित्त/ 14 वां 15 वां वित्त योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत **भुण्डा** विकास खंड करछना में अधोहस्ताक्षरी कार्यों के आगणन /प्राक्कलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्यस्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचा कर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बंद लिफाफे में टेंडर /कोटेशन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 20 जुलाई 2020 से 05 अगस्त 2020 को अपराहन 3:00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेंडर /कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा। आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/ टेंडर फार्म उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं। नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्य दिवस में देखी जा सकती है। तथा टेंडर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10:00 से 12:00 तक प्रत्येक कार्य दिवस में की जाएगी। किसी एक व समस्त टेंडर /कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत **भुण्डा** में निहित होगा। टेंडर/कोटेशन दिनांक 05 अगस्त 2020 को अपराहन 4:00 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जाएगा। टेंडर /कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 05 अगस्त 2020 तक कार्यालय अवधि में समय 3:30 अपराहन तक जमा किया जा सकता है। निम्नांकित कार्य पर जिस जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यालय /नोटिस बोर्ड पर चस्पा है। उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम के अंतर्गत जीएसटी का भुगतान किया जाएगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जीएसटी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के 1 माह के अंदर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा। उसके उपरांत ही अगला भुगतान किया जाएगा। उस भुगतान पर भी उक्त नियम एवं शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य में उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जाएगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	सामुदायिक शौंचालय निर्माण कार्य	3.12 लाख	2 माह
2.	पंचायत भवन निर्माण कार्य	19.83 लाख	2 माह

महेश कुमार
(ग्रा0पं0 विकास अधिकारी)
ग्राम पंचायत भुण्डा
विकास खंड करछना, प्रयागराज

राम लाल
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत भुण्डा
विकास खंड करछना जनपद प्रयागराज

पत्रांक - ग्रा0पं0सचिव /टेंडर /कोटेशन /2020 -21

कार्यालय ग्राम पंचायत सुलमई वि0खंड करछना, प्रयागराज

टेंडर/ कोटेशन

मनरेगा /चतुर्थ वित्त/ 14 वां 15 वां वित्त योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत **सुलमई** विकास खंड करछना में अधोहस्ताक्षरी कार्यों के आगणन /प्राक्कलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्यस्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचा कर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बंद लिफाफे में टेंडर /कोटेशन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 20 अगस्त 2020 से 28 अगस्त 2020 को अपराहन 3:00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेंडर /कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा। आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/ टेंडर फार्म उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं। नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्य दिवस में देखी जा सकती है। तथा टेंडर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10:00 से 12:00 तक प्रत्येक कार्य दिवस में की जाएगी। किसी एक व समस्त टेंडर /कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत **सुलमई** में निहित होगा। टेंडर/कोटेशन दिनांक 28 अगस्त 2020 को अपराहन 4:00 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जाएगा। टेंडर /कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 28 अगस्त 2020 तक कार्यालय अवधि में समय 3:30 अपराहन तक जमा किया जा सकता है। निम्नांकित कार्य पर जिस जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यालय /नोटिस बोर्ड पर चस्पा है। उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम के अंतर्गत जीएसटी का भुगतान किया जाएगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जीएसटी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के 1 माह के अंदर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा। उसके उपरांत ही अगला भुगतान किया जाएगा। उस भुगतान पर भी उक्त नियम एवं शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य में उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जाएगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	सामुदायिक शौंचालय पुरूष निर्माण कार्य	3.12 लाख	20 दिन
2.	पंचायत भवन निर्माण कार्य	16.21 लाख	60 दिन
3.	सामुदायिक शौंचालय महिला निर्माण कार्य	3.12 लाख	60 दिन

(मनीष कुमार)
(ग्रा0पं0 विकास अधिकारी)
ग्राम पंचायत सुलमई
विकास खंड करछना, प्रयागराज

राम अचल यादव
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत सुलमई
विकास खंड करछना जनपद प्रयागराज

पत्रांक - ग्रा0पं0सचिव /टेंडर /कोटेशन /2020 -21

संक्षेप समाचार

रज्जू भैया विवि में डॉ अविनाश प्रॉक्टर व प्रो विवेक बने डीएसडब्ल्यू

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय में नये शिक्षकों की नियुक्ति व पदभार ग्रहण करने के साथ ही संकाय अध्यक्ष और विभागाध्यक्षों की तैनाती कर दी गई। दर्शनशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अविनाश श्रीवास्तव को प्रॉक्टर और जनसम्पर्क अधिकारी तथा समाज कार्य विभाग के प्रो. विवेक सिंह को विश्वविद्यालय का डीएसडब्ल्यू बनाया गया है। कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के निर्देश पर प्रो. अर्चना चंद्रा को वाणिज्य संकाय, हिन्दी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आशुतोष सिंह और समाज कार्य विभाग के प्रो. विवेक सिंह को डीन का जिम्मा दिया गया है। इसके साथ ही 11 विभागों में अध्यक्ष भी नियुक्त किए गए हैं। प्राचीन इतिहास विभाग में प्रो. राजकुमार गुप्ता, वाणिज्य में प्रो. अर्चना चंद्रा, समाज कार्य में प्रो. विवेक सिंह, दर्शन शास्त्र में डॉ. अविनाश श्रीवास्तव, राजनीति विज्ञान में डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय, व्यावहारिक अर्थशास्त्र में डॉ.त्रिपाठी, आदि को अध्यक्ष बनाया गया है।

सड़क पर बढ़ाकर दुकान लगाने वाले दुकानदारों के विरूद्ध आज से की जायेगी चालान की कार्रवाई : जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी गुरूवार को संगम सभागार में व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों के साथ कोविड-19 के दृष्टिगत सोशल डिस्टेंसिंग के पालन एवं मास्क का प्रयोग करने के सम्बंध में बैठक की। बैठक में निर्णय लिया गया है कि जो भी दुकानदार अपनी दुकानों को सड़क तक बढ़ाकर रखेंगे, उनके खिलाफ शुक्रवार से चालान की कार्रवाई की जायेगी। इसमें किसी प्रकार की छूट नहीं दी जायेगी। जिसपर व्यापार मण्डल के सदस्यों ने अपनी सहमति व्यक्त की। कहा कि प्रमुख बाजारों के व्यवसायी यह स्वंय सुनिश्चित कर ले कि उनकी

बैठक में निर्देश देते जिलाधिकारी

दुकानें एक निश्चित दायरे में रहे साथ ही साथ ग्राहकों से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का आग्रह करें तथा उनके वाहनों को एक व्यवस्थित ढंग से खड़ा कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिससे की सड़क पर पर्याप्त जगह लोगो के आने जाने हेतु मिल सके और लोग सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन कर सके। जिलाधिकारी ने व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों से स्पष्ट कहां कि आप स्वंय और अपने दुकान में कार्यरत कर्मियों से भी सोशल डिस्टेंसिंग एवं मास्क लगाने के नियम का अनुपालन सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि दुकानों के सामने ग्राहकों की भीड़ न होने पाये तथा ग्राहक निर्धारित मानक दूरी का पालन करें। बैठक में एडीएम सिटी-अशोक कुमार कनौजिया, एसपी सिटी, एसपी टैजफिक सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पांच सितंबर को

प्रयागराज। युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार गुरूवार को शहर में थे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि पार्टी अगला विधान सभा चुनाव (2022) पूरी तैयारी के साथ लडेगी। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पांच सितम्बर को श्रृंगवेरपुर में होगी। इसकी तैयारियां व्यापक स्तर पर शुरू हो गयी है। उन्होंने बताया कि इसकी व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू हो गयी है। कहा कि मण्डल, जिला स्तर और ब्लाक स्तर पर संगठन को सक्रीय किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक देश के अलग-अलग प्रदेशों और यूपी से करीब 500 लोग शामिल होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि संगठन अभी दो तरह से कार्य कर रहा है। पहला बूथ लेबल से लेकर ब्लाक, तहसील और जिला स्तर तक अधिक से अधिक सदस्य बनाये जायेंगे और दूसरी ओर व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर सरकार की जन विरोधी नीतियों का सड़क से लेकर विधान सभा और संसद तक विरोध किया जायेगा। उन्होंने बताया कि संगठन का उद्देश्य है सभी को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा मिले। किसी को भी आवास, बिजली, पानी और खाद्यान्न के लिये परेशान न होना पडे.।

'फिट इण्डिया फ्रीडम रन की मुहिम के तहत दौड़ेगा कोर'

प्रयागराज। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई 'फिट इण्डिया फ्रीडम रन' पहल के तहत केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, के अधिकारी एवं कर्मचारी बेहतर स्वास्थ्य के लिए दौड़ेंगे। इस अभियान को 15 अगस्त 2020 से 02 अक्टूबर 2020 तक महात्मा गाँधी के 151वीं जयंती तक चलाया जायेगा। इसका आयोजन रेल के कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति अपनी पसंद और सुविधा तथा शारीरिक क्षमता के अनुरूप अपने से निर्धारित समय का चयन कर दौड़ध्चल सकता है। दौड़ को बीच में रोक सकता है तथा अपनी प्रगति को किसी भी माध्यम से ट्रैक कर सकता है। फिट इण्डिया अभियान में शामिल व्यक्ति को कोविड.19 से बचाव के लिए निर्धारित मापदण्डों जैसे सामाजिक दूरीए का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।

इस अभियान में फिट इण्डिया वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराए गए प्लेटफार्म पर भी जाकर भाग लिया जा सकता है। 'फिट इण्डिया फ्रीडम रन' के तत्वाधान में कोर मुख्यालयए प्रयागराज एवं इसकी देश भर में फैली हुई परियोजनाओं के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से महाप्रबन्धक यशपाल सिंह, के कुशल नेतृत्व में इस अभियान में सभी के द्वारा बढ़.चढ़ कर हिस्सा लिया जा रहा है। जिससे रेल परिवार के सभी सदस्य बेहतर कार्य के साथ निरोगी रह कर राष्ट्र के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान प्रदान कर सकें।

मोहर्रम पर नही निकलेगा जुलूस: जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में संगम सभागार में मोहर्रम की बैठक की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान स्थिति कोविड-19 के दृष्टिगत संक्रमण को रोकने के लिए जो भी त्यौहार मनाये जा रहे है, चाहे किसी भी धर्म से जुड़े है, बहुत ही शान्तिपूर्ण ढंग से घर पर ही मनाये जा रहे है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शासन के निर्देश है कि कोई भी जुलूस या मेला आदि का आयोजन नहीं किया जायेगा और न ही सामूहिक कार्यक्रम ही किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईद, बकरीद आदि त्यौहारों पर आप सभी के द्वारा प्रशासन का जो सहयोग दिया गया है, उसके लिए धन्यवाद के पात्र है। उन्होंने कहा कि जो भी हमारी परम्परा रही हैं, वे इस वातावरण में सही नहीं बैठ रही है। आज हम सब को ज्यादा सर्तकता और सावधानी बरतने की जरूरत है। हम लोगो को समझना होगा कि कोविड-19 से कैसे उभरना है, उसपर ज्यादा ध्यान देना होगा। जिलाधिकारी ने सभी धर्मगुरूओं से कहा कि जिम्मेदारी के साथ और मानवता को ध्यान में रखते हुए त्यौहार को शान्ति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाना है। जिलाधिकारी ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में अभी लोग अपनी जांच नहीं करा रहे है, उन्हें जब भी लक्षण दिखायी दें अपनी जांच अवश्य करा लें। आप लोगो से अपील है कि लोगो को जागरूक करें कि

बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी व प्रशासनिक अधिकारी

सभी लोग स्वंय अपनी जांच करायें। बैठक में धर्मगुरूओं ने अपनी सहमति जताते हुए कहा कि मोहर्रम को सद्भावना एवं एकता के साथ मनाया जायेगा। सरकार द्वारा निर्धारित गाइड लाइन का पूर्णतः पालन किया जायेगा। आश्वासन दिया कि न तो कोई जूलूस उठेगा और न ही सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ इकट्ठा होगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित ने कहा कि ये अभूतपूर्ण स्थिति है, इससे निपटने के लिए आप लोगो का सहयोग बहुत ही जरूरी है। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित, एडीएम सिटी अशोक कुमार कनौजिया, एस0पी0 सिटी डी0के0 सिंह सहित धर्मगुरूओं ने भाग लिया।

चीफ जस्टिस से मुलाकात के बाद दावा ट्रिब्यूनल गठन के खिलाफ लड़ाई की रूपरेखा तय करेगा बार

प्रयागराज। संपत्ति क्षति दावा अधिकरण की पीठें लखनऊ और मेरठ बनाने से नाराज हाईकोर्ट के वकीलों के गुस्से को लेकर हुए हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने इस मुद्दे पर शिक्षा अधिकरण की तर्ज पर आंदोलन करने का निर्णय लिया है। बार ने बैठक कर निर्णय लिया है कि पूरे मामले से मुख्य न्यायाधीश को अवगत कराने के बाद आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी। इस बीच गुरुवार को होने वाली विधानसभा की बैठक को देखते हुए बार ने प्रयागराज के सांसदों और विधायकों से अपील की है कि वह मामले को विधानसभा में उठाए और प्रयागराज का पक्ष रखें।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव प्रभाशंकर मिश्र ने बताया कि अधिकरण की पीठें लखनऊ और मेरठ में बनाने का निर्णय अवैधानिक है। किसी अधिकरण की मुख्य पीठ वहीं बन सकती है जहां उस राज्य के हाईकोर्ट की प्रधानपीठ हो। इस संविधानिक व्यवस्था का उल्लंघन किया जा रहा है। इससे हाईकोर्ट के वकीलों में गहरी नाराजगी है। बैठक में तय किया गया है कि पूरे प्रकरण से मुख्य न्यायमूर्ति को अवगत कराया जाएगा। इसके बाद वकील अधिकरण प्रयागराज लाने के लिए आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के जनप्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी है कि वह अधिकरण यहां स्थापित करने में सहयोग करें। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो भविष्य के चुनावों में अधिवक्ता सहयोग नहीं करेंगे। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष जमील अहमद ने की। इसमें उपाध्यक्ष अजय कुमार मिश्र, अनिल पाठक, रजनीकांत राय, केके मिश्र, अंजू श्रीवास्तव, अभिषेक शुक्ला, दिलीप कुमार पांडेय, राजेंद्र कुमार सिंह, मंजू कुमारी, दुर्गेश चंद्र तिवारी और कार्यकारिणी के सभी सदस्यगण शामिल थे।

आक्टा के अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का उद्घाटन केरल के राज्यपाल करेंगे

प्रयागराज। आक्टा की ओर से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 22-23 अगस्त को किया जा रहा है। जिसके मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान होंगे और अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.आर तिवारी करेंगे।

कोरोना के चलते अदालतों अधिकरणों के अंतरिम आदेश अब 31 अक्तूबर तक बढ़े

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कोविड 19 पेन्डेमिक एवं लाकडाउन में न्यायालयीय कार्य बाधित रहने एवं नियमित न हो पाने के कारण हाईकोर्ट सहित सभी प्रकार के अदालतों, अधिकरणों के इस दौरान समाप्त हो रहे अंतरिम आदेश 31 अक्तूबर तक बढ़ा दिये हैं। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने आदेश में कहा है कि 90 दिन के लिए दाखिल हुई कैविएट भी 31 अक्तूबर तक प्रभावी रहेगा। याचिका की सुनवाई 19 अक्तूबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज मित्तल तथा न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की खंडपीठ ने दिया है। कोर्ट ने आदेश की प्रति सभी अदालतों, अधिकरणों, यूपी के महाधिवक्ता, भारत सरकार के एडिशनल सालीसिटर जनरल आफ इंडिया, भारत सरकार के सहायक सालीसिटर जनरल आफ इंडिया, राज्य लोक अभियोजक एवं उप्र बार काउन्सिल को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनहित में स्वतः संज्ञान लेकर कोरोना वायरस महामारी के चलते हाईकोर्ट समेत इसके आधीन सभी प्रकार के न्यायालयों व अधिकरणों में मुकदमों की सुनवाई कोरोना वायरस महामारी के चलते न हो सकने के कारण लम्बित केसों में चल रहे अन्तरिम आदेश को स्थिति में सुधार होने तक जारी रखने का निर्णय लिया था। चूंकि परिस्थितियां वैसी ही है, इस कारण हाईकोर्ट ने पूर्व पारित आदेश को जारी रखते हुए अन्तरिम आदेश जारी रखने का निर्णय लिया है।

मेदान्ता टेलिमेडिसिन के माध्यम से देगा कोविड अस्पताल को सहयोग

प्रयागराज। श्री साईनाथ वात्सल्य एएमए कोविड अस्पताल का आनलाइन उद्घाटन देश के प्रख्यात हृदय रोग सर्जन व मेदान्ता हास्पिटल ग्रुप, गुरूग्राम के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहान ने गुरूवार की सायं चार बजे जूम मिटिंग के माध्यम से एएमए कनवेन्शन सेन्टर से किया। कहा कि मेदान्ता अस्पताल अपना सहयोग आवश्यकता होने पर इच्छुक मरीजों को टेलिमेडिसिन के माध्यम से देगा।

इस अवसर पर श्री साईनाथ वात्सल्य एएमए कोविड हास्पिटल, वात्सल्य हास्पिटल और इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त प्रयास से स्थापित किया गया है। यह अस्पताल कोविड मानकों के अनुपालन में रिहायशी इलाके से दूर,

जूम मीटिंग से उद्घाटन के दौरान डॉ नरेश त्रेहान

बमरौली, मन्दर मोड़ (पराग डेरी के समीप) स्थित है। वर्तमान में इसकी क्षमता 30 बेड है, जिसमें 6 आईसीयू बेड, 6 प्राइवेट वार्ड, 6 सेमी प्राइवेट वार्ड सम्मिलित हैं। यह अस्पताल चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप सेन्ट्रल आक्सीजन पाइप लाइन, वेन्टीलेटर, एचएफएनओ, बाईपैप, पैथालॉजी तथा एक्सरे की सुविधा से सुसज्जित है। अस्पताल में कोरोना पॉजिटिव मरीजों के लिए डेडिकेटेड कोविड एम्बुलेन्स भी उपलब्ध रहेगी।

कोविड हास्पिटल के प्रभारी डॉ. सुजीत सिंह, निदेशक डॉ. नीरज अग्रवाल तथा डॉ. कृतिका अग्रवाल ने बताया कि इस अस्पताल के संचालन व मरीजों को आधुनिक उच्च स्तरीय चिकित्सा प्रदान करने के लिए वरिष्ठ परामर्शदाताओं की एक टीम गठित की गई है, जो नगर के अनुभवी विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष गुप्ता के नेतृत्व में कार्य करेगी। विशेषज्ञ फिजीशियन डॉ. जितेन्द्र शुक्ला भी उनको सहयोग देंगे। विशेष परिस्थितियों में परामर्श के लिए मेदान्ता अस्पताल, गुरूग्राम की सुविधा टेलीमीडिसिन के माध्यम से भी मरीजों को उपलब्ध रहेंगी। हास्पिटल के सभी शुल्क सरकार द्वारा निर्धारित एल1, एल2 के मानक अनुसार होंगे।

कोविड मरीजों के उपचार में सहयोग हेतु नगर के कई सामाजिक संगठन भी आगे आये हैं। इस अस्पताल को एक एचएफएनओ मशीन सेन्ट जोजेफ कॉलेज, प्रयागराज के 1994 बैंच के पुरा छात्रों द्वारा तथा दूसरी मशीन इलाहाबाद नेत्र विशेषज्ञों के संगठन इलाहाबाद ऑप्थेलमोलॉजिकल सोसाईटी ने भेंट की है। इन्टरनेशनल लॉयन्स क्लब एसोसिएशन द्वारा कोविड 19 फण्ड से 240 पीपीई किट, सर्जिकल मास्क तथा 4 इन्फ्रारेड नानकान्टैक्ट थर्मामीटर अस्पताल के लिए भेंट किये हैं। कार्यक्रम का संचालन एएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनिल शुक्ला ने किया। एएमए के अध्यक्षा डॉ. राधारानी घोष और सचिव डॉ. राजेश मौर्या ने सभी संस्थाओं को सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उमरे ने पुन: प्रारम्भ किया 'नो बिल नो पेमेंट' की मुहीम

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे यात्रियों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन, आवश्यक वस्तुओं और अन्य सेवाओं को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के रूप में, यदि विक्रेता द्वारा बेची गई वस्तुओं और सेवाओं का बिल उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो ग्राहक द्वारा कोई भुगतान नहीं किया जायेगाह्ल। इस नीति के तहत यात्रियों से अनुरोध किया है कि यदि वेंडर उक्त नीति के अनुपालन नही करता है तो इसकी शिकायत उपलब्ध शिकायत पुस्तिका, रेल मदद पोर्टल या राष्ट्रीय रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 और 138 पर अवश्य करें।

यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने देते हुए बताया है कि भारतीय रेलवे ने सभी खानपान और वेंडिंग स्टालों को निर्देशित करते हुए महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया था, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि स्टेशनों पर स्थित स्टालों एवं ट्रेनों में आन बोर्ड कैटरिंग से खरीदे गए भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का बिल ग्राहकों को अनिवार्य रूप से दिया जाए। रेलवे प्रणाली पर काम करने वाले सभी विक्रेताओं को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे कि ह्लनो बिल नो पेमेंटह्ल अभियान, वस्तुओं की दर सूची इत्यादि को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाये एवं इसका अनुपालन सुनश्चित किया जाए। कोविड 19 के दृष्टिगत, रेलयात्रियों की आवश्यक यात्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे 230 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन कर रहा है, और इनमें से उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 126 रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है।

लोन वसूली में दर्ज एफआईआर के तहत गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लोन वसूली मामले में कायम आपराधिक मुकदमे में याची की पुलिस रिपोर्ट पेश होने तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। याचिका की अगली सुनवाई 28 सितम्बर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज मिश्र तथा न्यायमूर्ति समित गोपाल की खंडपीठ ने यशवंत सिंह त्यागी की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता निर्विकल्प पांडेय ने बहस की। याची अधिवक्ता का तर्क है कि दर्ज एफआईआर से संज्ञेय अपराध का खुलासा नहीं होता। आरोप सिविल प्रकृति का है, जो लोन राशि का पूरा भुगतान न करने पर दर्ज कराया गया है। कोर्ट ने प्रकरण विचारणीय माना और विपक्षी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याची के खिलाफ मेरठ के नौचंडी, थाने में धारा 406 भारतीय दंड संहिता के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। कोर्ट ने याची को विवेचना में सहयोग करने का निर्देश दिया है और स्पष्ट किया है कि विवेचना जारी रहने पर कोर्ट ने रोक नहीं लगायी है।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक
स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

मण्डलायुक्त ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिलायी सद्भावना की शपथ

सद्भावना का विषय सभी धर्मों, भाषाओं एवं क्षेत्रों के लोगो के बीच राष्ट्रीय एकता एवं साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना है

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर0 रमेश कुमार गुरूवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 राजीव गांधी की जयंती (20 अगस्त) ''सद्भावना दिवस'' के अवसर पर 'गांधी सभागार' में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सद्भावना की शपथ दिलायी। सद्भावना का विषय सभी धर्मों, भाषाओं एवं क्षेत्रों के लोगो के बीच राष्ट्रीय एकता एवं साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। मण्डलायुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलायी- ''मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूं कि मैं जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किये बिना सभी भारत वासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करूंगा/करूंगी। मैं पुनः प्रतिज्ञा करता/करती हूं कि मैं हिंसा का सहारा लिए बिना सभी प्रकार के मतभेद बातचीत और संवैधानिक माध्यमों से सुलझाउंगा/सुलझाउंगी। इस अवसर पर अपर आयुक्त भगवान शरण तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

सद्भावन दिवस पर अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ दिलाते मण्डलायुक्त

संक्षेप

दो पक्षो की मारपीट में कई घायल

कौशांबी। सैनी कोतवाली क्षेत्र में दो पक्षो में जमकर मारपीट हुई है। जिसमे कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला सैनी कोतवाली के सिराथू रजिस्ट्री ऑफिस के बाहर का है। सीओ रामबीर सिंह ने बताया कि एक पक्ष जमीन की रजिस्ट्री करवाने के लिए रजिस्टार ऑफिस गया था। तभी दूसरे पक्ष ने हमला बोल दिया। पीड़ित पक्ष के तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्यवाई की जा रही है।

ट्रक और बाइक में हुआ भिड़ंत

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। सैनी थाना के अंतर्गत तहसील सिराथू के केसरिया मोड़ के पास ट्रक की चपेट में बाइक सवार युवक आ गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है युवक किसी काम से अपनी बाइक से काम के लिए जा रहा था जैसे ही वह केसरिया मोड़ ठल्ल2 कट के पास पहुंचा की तेज रफ्तार ट्रक नम्बर ठछ01ङ7098 की चपेट में बाइक वढ71उ्ड8637 सवार आ गया जिससे उसके हाथ पांव सर पर गंभीर चोटें आई है।

प्रेमी के साथ मिलकर बेटी ने उतारा मां को मौत के घाट

चरवा कौशांबी। शादीशुदा बेटी प्रेमी के इश्क में इस कदर पागल हो गई जब उसकी मां ने मायके में प्रेमी के साथ रंगरेलियां मनाए जाने का विरोध किया तो शादीशुदा बेटी ने अपने मायके के प्रेमी के साथ मिलकर अपनी ही मां को मौत के घाट उतरवा दिया इस घटना का रहस्य दफन हो जाता है लेकिन चरवा कोतवाल की सक्रियता और पैनी नजर के चलते महिला के हत्यारे नहीं बच सके और पुलिस ने महिला की हत्या कांड का खुलासा करते हुए मृतक महिला की बेटी उसके प्रेमी सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है

चरवा थाना क्षेत्र के चपहुआ गांव में 12 दिन पहले एक महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने सनसनी खेज खुलासा कर हत्यारोपियों को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया है पुलिस ने मृतक की बेटी व चार अन्य को हत्या के मामले में गिरफ्तार करते हुए हिरासत में जेल भेज दिया। एएसपी समर बहादुर के मुताबिक महिला की छोटी बेटी शादी शुदा थी। और गांव के ही एक युवक से उसका अवैध संबंध था। इस बात की जानकारी महिला को हुई तो वह बेटी को अपने पति के घर जाने की बात कही इतना ही नही प्रेमी से मिलने पर भी महिला ने पाबंदी लगा दी आरोपी बेटी ससुराल नहीं जाना चाहती थी पुलिस के मुताबिक उसकी शादी एक अधेड़ से हुई थी।बेटी लगातार अपने प्रेमी से मिलती थी। और उसने प्रेमी को सारी दास्तान बताई। प्रेमी के साथ मिलकर ही अपनी मां को रास्ते से हटाने की योजना बेटी ने बना डाली। सात अगस्त की रात 8 बजे जब महिला गांव के बाहर एक बाग में शौच के लिए गई तो प्रेमी ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर महिला के सिर पर डंडे से मारकर हत्या कर दी। हत्यारोपियों ने महिला की लाश को झाड़ियों में छिपा दिया। घटना के बाद चरवा पुलिस व एसओजी टीम ने मोबाइल की काल डिटेल से बेटी व उसके प्रेमी और तीन अन्य साथियों की हत्या में संलिप्तता पाए जाने पर उनको गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हत्यारोपियों की गिरफ्तारी करती पुलिस

बाइक सवार को ट्रक ने मारी टक्कर ,बाइक सवार गंभीर घायल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत अझुवा में भोला चौराहा के समीप एक बाइक सवार को ट्रक ने टक्कर मार दी जिस पर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश कुमार लोनिहा पुत्र रमसिंह उम्र लगभग45 वर्ष कल्लनपुर खागा से अझुवा किसी काम से आया था ।वापस घर जाते समय दुर्घटना का शिकार हो गया। जिसमे उसका हाथ टूट गया और गंभीर रूप से घायल हो गया ।जानकारी पाकर घर वाले भी पहुंचकर इलाज के लिए फतेहपुर ले गए।

जिले में क्यों नहीं होती सिंचाई बन्धु की बैठक : प्रेम चन्द्र

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी ने जनपद कौशांबी में सिंचाई बन्धु की बैठक न होने पर सवाल उठाया है। पार्टी नेता एवं जिलाध्यक्ष प्रेम चन्द्र केसरवानी ने इस संबंध में जिला प्रशासन एवं सिंचाई विभाग के आला अधिकारियों की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब जिले में हर तरह की आवश्यक बैठकें आयोजित की जाती हैं तो सिर्फ सिंचाई बन्धु की बैठक कराने के लिए क्या दिक्कत है? इसी के साथ प्रेम चन्द्र केसरवानी ने जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग के अधिकारियों से जनपद कौशांबी में तत्काल सिंचाई बन्धु की बैठक कराने की मांग की। इस सम्बन्ध में आगे कहा कि एक तो जिला का किसान पहले से ही परेशान है उसपर जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग के अधिकारी जले पर नमक छिड़क रहे हैं। प्रेम चन्द्र केसरवानी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई नहरों में पानी न आने एवं नहरों की खुदाई कराने में की गई अनियमितता को लेकर सिंचाई विभाग किसानों के साथ सिंचाई बन्धु की बैठक कराने से बच रहा है। प्रेम चन्द्र केसरवानी ने जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग से तत्काल जनपद में सिंचाई बन्धु की बैठक कराने की मांग करते हुए कहा कि अगर जल्द ही सिंचाई बन्धु की बैठक नहीं कराई गई तो समर्थ किसान पार्टी आंदोलन करेगी।

बेईमानों की फौज ने किया मुख्यालय में प्रदर्शन

गुंडई के बल पर चार दशक से दूसरे की भूमि धरी जमीन पर कब्जा करने वालों ने भूस्वामी के भूमि पर निर्माण को गुंडई से रोका

कौशाम्बी। जिले में गरीबों को बरगला कर अपनी राजनैतिक रोटियां सेकने वालों की कमी नहीं है गरीब कमजोर को बरगला कर रोटियां सेकने वाले इसकी आड़ में उनकी मदद का झांसा देकर गरीबों से धना दोहन भी करते हैं और जब राजनीति की रोटियां सेकने वालों की दाल नहीं गलती तो ड्रामेबाजी कर जनपद मुख्यालय में धरना प्रदर्शन कर आला अधिकारियों का ध्यान बांटने का प्रयास करते हैं। इसी तरह का एक मामला आज जनपद मुख्यालय मंझनपुर में देखने को मिला है जिसमें सिराथू तहसील क्षेत्र के चक कादिलपुर गांव के तमाम लोगों ने मुख्यालय में धरना प्रदर्शन कर डीएम से न्याय मांगा है लेकिन धरना प्रदर्शन करने वाले इन लोगों ने पूरी तरह से बेईमानी पर कदम रख दिया है तो इन बेईमानों को अब प्रशासन से कौन सा न्याय चाहिए इसे लेकर पूरे जिले में चचाएं हो रही हैं। घटनाक्रम के मुताबिक सिराथू तहसील के कादिलपुर चक गांव निवासी छेदीलाल पुत्र दुबई भान सिंह पुत्र रामस्वरूप अपने पट्टी दारों से अपनी भूमि धरी जमीन पर कब्जा नहीं पा रहे थे जिसके चलते छेदीलाल और भान सिंह ने अपनी जमीन राकेश पाण्डेय पुत्र हरि शंकर पाण्डेय के हाथ जमीन बैनामा कर जमीन का पैसा लेकर जमीन को बेच दिया छेदीलाल और भान सिंह की भूमि धरी भूमि पर उन्हीं के पट्टी दार रामचंद्र बुलाकी प्रेमचंद्र आदि ने गुंडई बलपूर्वक से बीते चार दशक से कब्जा कर खेती की फसल ले जाते थे बराबर रामचंद्र बुलाकी प्रेमचंद्र के ऊपर फसल उठा ले जाने का विरोध छेदीलाल और भान सिंह किया करते थे लेकिन उसके बाद भी छेदीलाल भान सिंह को उनकी भूमि की उपज उन्हें नहीं मिलती थी जिस से पीड़ित होकर छेदी लाल भान सिंह ने अपनी जमीन को राकेश पांडेय को बेच कर उन्हें मालिकाना हक दे दिया छेदीलाल भान सिंह से खरीदी जमीन पर राकेश पाण्डेय अपना मकान बनाना चाहते हैं जिस पर चार दशक से गुंडई कर दूसरी के जमीन कब्जा करने वाले रामचंद्र बुलाकी प्रेमचंद्र आदि ने उनके निर्माण को रोक दिया फटीचर से दिखने वाले इन दबंगों ने राकेश पाण्डेय के निर्माण के कुछ हिस्से को धराशाही भी कर दिया अब उन्हें उनकी भूमिधारी जमीन पर यह फटीचर से दिखने वाले दबंग काबिज नहीं होने देने चाहते और मुकदमे के झूठे मकड़जाल में उलझा कर दूसरे के जमीन पर रामचंद्र बुलाकी प्रेमचंद्र आदि का गुंडई से कब्जा बना रहे इसी मकसद से बेईमानों की फौज ने जनपद मुख्यालय मंझनपुर में धरना प्रदर्शन कर आला अधिकारियों का ध्यान बांटने का प्रयास किया है। अब सवाल उठता है कि जमीन की वास्तविक मालिक राकेश पाण्डेय और को उनकी जमीन पर कब्जा प्रशासन दिला पाता है या फिर आम जनता की तरह वह भी राजनीति का शिकार होकर अपनी जमीन पर कब्जा पाने से वंचित रह जाएंगे इसे लेकर लोगों के बीच चर्चा हो रही है।

सराथू तहसील के चक कादिलपुर गांव के लोगों मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करते।

हाईजैक हुआ पुलिस-प्रशासन भाजपा ब्लाक प्रमुख ने हड़पी किसान की बेशकीमती भूमि

एसडीएम ने अपनी जांच रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा था कि पीड़ित किसान की संक्रमणीय भूमिधरी जमीन पर ब्लॉक प्रमुख जितेंद्र सोनकर द्वारा अवैध कब्जा किया गया

कौशांबी। जिले की जनता ने सूबे की सत्ता सपा बसपा से छीन कर भाजपा सरकार के कब्जे में इस उम्मीद से दी थी कि आने वाले दिनों में गरीब कमजोर मजलूम आम जनता को भाजपा सरकार में न्याय मिलेगा लेकिन जिले से तीन भाजपा के विधायक और भाजपा के सांसद के जीत जाने के बाद भी जिले की आम जनता को प्रशासन और पुलिस से न्याय नहीं मिल पा रहा है पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से हाईजैक हो चुका है न्याय के लिए आम जनता दर दर की ठोकर खा रही है ताजा मामला सिराथू विकासखंड के भाजपा ब्लाक प्रमुख जितेंद्र सोनकर का है जिनके ऊपर किसान की जमीन जबरिया कब्जा करने का आरोप है। सत्ता मे आते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स का गठन कर माफियाओ के खिलाफ सख्त कार्यवाई का फरमान सुनाया हो, लेकिन कौशांबी में माफियाओ के ऊंची पहुंच और रसूख के चलते सरकार का यह कदम भी बेदम साबित हो रहा है। ताजा मामला सिराथू तहसील के गौराहार गांव का है, जहाँ पीड़ित किसान सत्य नारायण की करोड़ो रुपए की बेशकीमती जमीन पर सिराथू के मौजूदा बीजेपी ब्लॉक प्रमुख जितेंद्र सोनकर ने अपने गुर्गों के सहारे अवैध कब्जा कर रखा है। पूरे मामले में पीड़ित किसान के शिकायत के बाद पूर्व में ही एसडीएम सिराथू ने अपनी जांच रिपोर्ट में अवैध कब्जा का खुलासा किया था। इतना ही नही एसडीएम ने अपनी जांच रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा था कि पीड़ित किसान की संक्रमणीय भूमिधरी जमीन पर ब्लॉक प्रमुख जितेंद्र सोनकर द्वारा अवैध कब्जा किया गया है। और इस सम्बंध में एसडीएम सिराथू ने सैनी कोतवाली पुलिस को तत्काल मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाई का आदेश भी दिया था। इसके बावजूद भी अभी तक ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ सैनी कोतवाली पुलिस ने मुकदमा नही दर्ज किया है। डीएम मनीष कुमार को शिकायती पत्र देते हुए पीड़ित किसान ने इंसाफ की गुहार लगाई है। पीड़ित किसान सत्य नारायण ने डीएम से शिकायत के अलावा सीएम योगी आदित्यनाथ को भी पत्र भेजा है। सीएम को भेजे पत्र में पीड़ित किसान ने आरोप लगाया है कि सिराथू के मौजूदा बीजेपी के ब्लॉक प्रमुख जितेंद्र सोनकर ने अपनी ऊंची पहुंच और रसूख के चलते पुलिस और प्रशासन को हाईजैक किया है। इतना ही नही मोहब्बतपुर पइंसा थाने के दरोगा गंगा राम सोनकर व सिराथू चौकी पुलिस अब उसे परेशान कर दो लाख रुपये अवैध वसूली का दबाव बनाती है। और रुपये न देने पर उसे फर्जी मुकदमा में जेल भेजने की धमकी देती है। पुलिस और प्रशासन से इंसाफ न मिलने पर पीड़ित किसान ने माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में रिट याचिका दाखिल किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को तलब किया है। जिसके बाद से आरोपी ब्लॉक प्रमुख ने स्थानीय पुलिस की मदद से पीड़ित किसान को अब तरह-तरह की धमकियां दिलाकर मानशिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। पीड़ित किसान ने अपने परिवार के साथ किसी अप्रीय घटना की आशंका जाहिर करते हुए डीएमऔर सीएमी से इंसाफ की गुहार लगाई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम मनीष कुमार वर्मा ने पीड़ित किसान को कार्यवाई का भरोसा जताया है।

वाहनों का चालान कर पुलिस ने वसूला समन शुल्क

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली के उपनिरीक्षक मनोज राय ने आज ओसा चौराहे के पास वाहनों की चेकिंग कर जहां तमाम वाहनों का चालान किया है वही वाहनों के अभिलेखों में तमाम प्रकार के खामियां पाए जाने पर वाहन चालकों से दो हजारदो सो रुपए पुलिस ने समन शुल्क वसूल किया है सड़कों पर चलने वाले वाहनों की चेकिंग कर लोगों को यातायात नियमों के तहत वाहन चलाने का निर्देश मंझनपुर कोतवाली के उपनिरीक्षक मनोज राय ने दिया है मनोज राय ने वाहन चेकिंग के दौरान लोगों से कहा कि वह अपने वाहनों के अभिलेखों को दुरुस्त रखें और वाहन चलाते समय वाहनों के अभिलेख को साथ में लेकर चले तथा दो पहिया वाहन चालक हेलमेट जरूर लगाएं तथा वाहन में चलने वाले लोग कोरोनावायरस से बचाव को लेकर मास्क का प्रयोग जरूर करें। वाहन चेकिंग के दौरान मंझनपुर कोतवाली के उपनिरीक्षक मनोज राय ने तमाम वाहनों का चालान किया और इस दौरान दो हजार दो सौ रुपये उन्होंने समन शुल्क भी वाहन चालकों से वसूल किया है।

बारिश के चलते दो भाइयों का गिरा कच्चा घर

बारिश के चलते गिरे मकान का दृश्य

अझुवा कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के अचाका पुर गांव में एक कच्चा घर गिर गया है जिससे घर में बंधे पशु और गृहस्थी का सामान नष्ट हो गया है इस घटना में गृह स्वामी के तीन पशु भी घर के मलवे के नीचे दब गए थे जिसमें एक पशु की मौत हो गई है और दो पशु चोटहिल हो गए हैं हादसे में परिवार की गृहस्थी भी दब कर नष्ट हो गयी है इस हादसे में एक लाख के रुपये के लगभग गृहस्वामी का आर्थिक नुकसान हुआ है। जानकारी के मुताबिक धर्मनारायण अग्रहरि वा अवध नारायम अग्रहरि पुत्र गण रामसेवक अग्रहारि अचाकापुर ग्राम सभा मोहद्दीनपुर बेला का सँयुक्त कच्चा घर बरसात के चलते आज सुबह 19 अगस्त को भरभरा कर गिर गया जब तक लोग कुछ समझ पाते मकान के मलवे में पशु दब गए अपने दूसरे घर मे परिवार के मुखिया धर्मनारायण और अवध नारायण अपने परिवार के सदस्यों के साथ रहते थे ।हादसे में लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

ट्रेन के आगे कूद कर अधेड़ ने दी जान

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के हाबड़ा दिल्ली रेल लाइन के नागा बाबा की कुटी के पास एक अधेड़ ने ट्रेन के सामने कूद कर जान दे दी है मृतक मानसिक रूप से कमजोर व बीमार था मृतक अझुवा कस्बे का रहने वाला बताया जाता है सूचना पर पहुँची रेलवे पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनाक्रम के मुताबिक संतोष कुमार अग्रहरी पुत्र स्व रमेश चंद्र अग्रहरी उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड नं 12 नगर पंचायत अझुवा ने हाबड़ा दिल्ली रेल लाइन पर कूद कर ट्रेन से कटकर जान दे दी है हादसे में मृतक के शरीर के चिथड़े उड़ गए मामला सैनी कोतवाली के अझुवा नागा बाबा कुटी के पुल नंबर 112 गोंदिया नदी पास डाउन लाइन का है सूचना पाकर मौके पर जीआरपी पुलिस पहुंच गयी है और मृतक की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है मृतक के दो भाई परिवार सहित रोजी रोटी के सिलसिले में दूसरे शहरों में रहते हैं यह अपनी बूढ़ी माँ जो दिमागी रूप से कमजोर है उसके साथ रहता था आज रात में किसी वक्त इसने रेलवे ट्रैक में जाकर आत्म हत्या कर लिया बूढ़ी विक्षिप्त मां का रो रोकर बुरा हाल है।।

गौशाला में आये दिन होती हैं गायों की मौत, जिम्मेदार नही दे रहे ध्यान

योगी आदित्यनाथ ने जिले में करोडो रुपये खर्च करके गौशाला बनवाया है

गौहानी कला गौशाला में करीब तीन सौ जानवर हैं जिसमे बने गौशाला में चार शेड हैं जिसमे हर शेड में दो तीन गायों की मौत होना तय

बेरूवा कौशाम्बी। गौशाला में रोजाना गायों की मौतें होती रहती हैं लेकिन इधर जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं गौहानी कला गांव में बने गौशाला में कम से कम 8 ,10 गायों की मौत होनी तो निश्चित हैं। गौहानी कला गौशाला में करीब तीन सौ जानवर हैं जिसमे बने गौशाला में चार शेड हैं जिसमे कि हर शेड में दो तीन गायों की मौत होना तय है जबकि अगर बने गौशाला को देखे तो योगी आदित्यनाथ के बंगले से कम जगह नहीं है लेकिन जब अंदर की कहानी देखे तो कुछ और अलग दिखाई देता है और गौशाला में दो तरफ गेट भी लगा है लेकिन वहाँ बीमार गायें तड़प रही हैं ।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक गाय जो कि बहुत बुरी तरह से घायलावस्था मे तड़प रही थी जबकि वहाँ मौजूदा कर्मचारियों ने गाय को गौशाला से बाहर निकाल दिया है और उसे कौवे व कुत्ते नोच रहे थे और वहीं एक गाय और गिरी हुई थी वह भी जिंदा थी लेकिन वह अन्तिम सॉस गिन रही हैं और यहाँ पांच गायें और पड़ी हुई थी उनकी भी बचने की कोई उम्मीद नहीं थी लेकिन यहाँ की हालात देखने से ऐसा लगता हैं कि यहाँ डॉक्टर कभी नहीं आते है और अपने दूसरे साथी को भेज देते हैं । गांव वाले सोच रहे हैं कि रोजाना गायों की मौते होती रहती हैं और वहाँ के कर्मचारी गांव के बाहर फेंक देते हैं जब भी गांव की ओर हवा चलती हैं तो बहुत अधिक बदबू गांव की ओर आती हैं। गांव वालों का कहना है कि जहां कोरोना जैसी बीमारी फैली हुई हैं जिससे ग्रामीण काफी दहशत में हैं। यहाँ से दो तीन किलोमीटर दूरी तक गंदगी फैली हुई है जब भी गौशाला के अंदर जानवरों को चारा पानी करते है तो लगता हैं भूसा डाल देते हैं और पानी डाल के लात से मिलाते हैं जो भी जानवरों को खिलाने के लिए चोकर आते है उसमें आधा कना मिला होता हैं और उसे दिखावटी रूप में रखे हैं गौहानी कला में बने गौशाला के जिम्मेदार लोगों की बहुत बड़ी लापरवाही है।

चालीस फार्म स्वीकृत कराने का दबाव बनाने वाले भाजपा नेता का उद्योग केंद्र में नोकझोंक

कौशाम्बी। जिला उद्योग केंद्र में बेरोजगारों को रोजगार देने के नाम पर उनके फार्म भरवा कर विभाग में जमा करने में इन दिनों भाजपा के पश्चिम शरीरा मंडल मंत्री प्रकाश दुबे लगे हैं प्रकाश दुबे का कहना है कि उन्होंने 40 बेरोजगारों की फाइल भरवा कर उद्योग विभाग में जमा कराई प्रकाश दुबे का कहना है कि उनके द्वारा विभाग में जमा कराई गई चालीस फाइलों में चार फाइलें ही विभाग के अधिकारियों ने स्वीकृत की है। इसी बात को लेकर भाजपा नेता का अधिकारी से जमकर नोकझोंक हुआ है जहां भाजपा नेता का आरोप है कि अधिकारी ने उन्हें कार्यालय से बाहर भगा दिया है तो वही अधिकारी का कहना है कि भाजपा नेता विभाग में बेरोजगारों का शोषण कर उनसे धना दोहन करते हैं और जब उनके गलत कार्यों को करने से इंकार कर दिया जाता है तो गुरुवार को कार्यालय में आकर भाजपा नेता ने सरकारी कार्य में बाधा डाला है और उनके साथ अभद्रता पूर्ण बर्ताव किया है अब सवाल उठता है कि यदि प्रकाश पांडे भाजपा नेता है तो योगी सरकार ने किस कानून के तहत पूरे विभाग के बेरोजगारों की ऋण पत्रावली में उनके हस्तक्षेप का अधिकार उन्हें दिया आखिर एक नेता के दबाव में अधिकारी कितने लोगों के जायज नाजायज कामों पर उनकी बातों को मानने को विवश है और योगी राज में यह कब तक चलता रहेगा।

अप्राकृतिक दुष्कर्म की धमकी देने वाला गुनाहगार डॉक्टर कौन !

कौशांबी। सराय अकिल कस्बे में एक डॉक्टर इन दिनों बड़ी तेजी से चर्चा में है यह डॉक्टर कितना पढ़ा लिखा है और कितनी सभ्यता का इसे ज्ञान है इसकी भाषा से ही लोग इसे समझ जाते हैं अस्पताल में आए हुए मरीज और उनके परिजनों या छोटी-छोटी बातों पर लोगों पर बेवजह दबाव बनाने के मकसद से उनके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म करने की धमकी उक्त कथित डॉक्टर द्वारा दिया जाता है दुष्कर्म की धमकी देने वाला यह सराय अकिल कस्बे का यह गुनाहगार डॉक्टर कौन है इसकी चर्चा लोगों की जुबान पर है चचाओं पर जाएं तो अप्राकृतिक दुष्कर्म की धमकी देने वाला इस गुनाहगार डॉक्टर और उनके परिजन पूर्व में प्राणघातक हमले के आरोपी भी रह चुके हैं लेकिन सराय अकिल पुलिस ने इस डॉक्टर के चरणों में वर्दी गिरवी रख कर जेब भर लिया था और बिना साक्ष्य सबूत और वादी गवाहों के बयानों को नजरअंदाज कर इस अभद्र डॉक्टर के नाम पुलिस मुकदमे में दर्ज प्राणघातक हमले की धारा को चार्जशीट में हटाते हुए इसे राहत दे दिया था। सराय अकिल पुलिस के इस कारनामे के बाद से अभद्र डॉक्टर के हौसले बुलंद हैं और जब देखो तब लोगों के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म करने की वह धमकी दे कर लोगो पर रौब गाँठने की कोशिश करता है अब सवाल उठता है कि धमकी देने वाला यह डॉक्टर अब तक कितने लोगों के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म कर चुका है यह पुलिसिया जांच का बड़ा विषय है ।

उद्योग विभाग को अपनी जागीर समझने वाला विभाग का गुनाहगार कौन!

सुशील केशरवानी

दो दशक से उद्योग विभाग में कौन डकार रहा है बेरोजगारों का हक

बेरोजगारों के हक में हेरा फेरी कर सरकारी रकम हड़पने वाले लोगों की शासन ने कराई जांच तो कई लोगों पर गिर सकती है गाज

कौशाम्बी। बेरोजगारों को रोजगार देने वाले विभाग में भी दो दशक से बड़े घोटाले हैं दीमक की तरह विभाग की विभिन्न योजनाओं को चाटने में लगे विभाग के लोगो के कारनामे हमेशा सुर्खियों में रहते हैं दो दशक के बीच करोड़ों की योजनाओं को डकार जाने वाला विभाग का गुनाहगार कौन है क्या विभाग के आयुक्त और सूबे के मुख्यमंत्री विभाग के इन गुनाहगारों के कारनामों की जांच करा कर उन्हें बेनकाब करेंगे या फिर दीमक की तरह विभाग की योजनाओं को चट कर जाने वाले विभागीय लोग इसी तरह से तिजोरी भरते रहेंगे बेरोजगारों ने सूबे के मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उस गुनाहगार के कारनामों को उजागर कर उसे दंडित किए जाने की आवाज बुलंद की है

बीते दो दशक से जिला उद्योग केंद्र में बेरोजगारों को प्रशिक्षण देने उन्हें सम्मान देने के विभिन्न योजनाओं में ग्रहण लग चुका है एक वर्ष पूर्व जिले में जिला उद्योग केंद्र का दायित्व शासन ने दिनेश शास्त्री को सौंपा है इनके कार्यकाल में प्रशिक्षण और अन्य योजनाएं जमीनी हकीकत में दिखाई पड़ने लगी तब लोगों को जानकारी हुई कि विभाग में तमाम और योजनाएं दो दशक से अभिलेखों में संचालित कर लोग मालामाल होते हैं।

बीते दो वर्ष पूर्व दो 2018 --2019 में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 25 सिलाई मशीन और 25 इलेक्ट्रॉनिक चाक मशीन बांटने का निर्देश शासन ने दिया इस योजना में शासन ने लगभग 20 लाख बजट भी मंजूर कर दिया सरकारी खजाने से बजट निकल गया अभिलेखों में सिलाई मशीन और चाक इलेक्ट्रॉनिक मशीन की खरीद भी हो गई। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में सिलाई मशीन और चाक इलेक्ट्रॉनिक मशीन बांटने की सूची रातों-रात पत्रावली में लगाकर योजना की सफलता की सूचना शासन प्रशासन को भेज दी गई लेकिन जमीनी हकीकत में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को इस योजना का लाभ नहीं मिल सका सूत्रों की माने तो इस तरह की कई दर्जन योजनाओं को अभिलेखों में संचालित कर दो दशक से विभागीय लोग मालामाल हो रहे है विभाग की योजनाओं को दीमक की तरह चाटने वाले विभागीय लोगों के कारनामों को यदि शासन प्रशासन ने संज्ञान लिया तो विभाग के उन भ्रष्ट लोगों का खुलासा होना तय है जो उद्योग विभाग को अपनी जागीर समझते हैं लेकिन क्या उद्योग विभाग को अपनी जागीर समझने वाले लोगों को शासन बेनकाब कर उन्हें उनका दंड निर्धारित कर पाएगी या फिर अंधेर नगरी चौपट राजा की तर्ज पर विभागीय योजनाएं अभिलेखों में संचालित होती है यह व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

जिला उद्योग केन्द्र

प्रतापगढ़

संक्षेप

तमंचे की नोंक पर साइकिल सवार से छीने दस हजार, दी तहरीर

प्रतापगढ़। बैंक से नकदी लेकर निकले ग्राहक को तमंचे की नोंक पर बदमाशो ने लूट का शिकार बनाते हुए दस हजार रुपए हडप लिये। सांगीपुर थाना के भैंसना निवासी गोलारे वर्मा का पुत्र राममिलन गुरुवार को दीवानगंज स्टेट बैंक से दस हजार रुपए खाते से निकालकर साइकिल से घर जा रहा था। दिन मे लगभग ढाई बजे सांगीपुर के पूरे नरायनदास के एक भटठे के समीप पीछे से पल्सर सवार दो नकाबपोश बदमाशो ने पीडित को रोक लिया। बदमाश ने पीडित की कनपटी पर तमंचा सटाकर झोले मे रखा दस हजार रुपए लेकर चंपत हो गये। पीडित ने घटना को लेकर सांगीपुर थाने मे तहरीर दी है। एसओ प्रमोद सिंह का कहना है, पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। केस दर्ज कर शीघ्र खुलासा किया जाएगा। वहीं पीडित के मुताबिक बदमाश छिनैती की घटना को अंजाम देकर अंतू थाना के किठावर बाजार की ओर भाग निकले।

उपजिलाधिकारी ने खाद की दुकानों पर मारा छापा मशीन से खाद वितरण न होने पर चढ़ा पारा

लक्ष्मणपुर, प्रतापगढ़। एसडीएम ने खाद की दुकानो पर औचक छापेमारी कर पीओएस मशीन से खाद वितरण न होने पर नाराजगी जताई। एसडीएम बीके प्रसाद दोपहर तहसील क्षेत्र के लगभग दस उर्वरक की दुकानो पर आकस्मिक छापे के लिए निकले।

एसडीएम ने लालगंज नगर के कालाकांकर तथा घुइसर नाथ मार्ग पर आधा दर्जन एवं अजगरा मे दो तथा सगरा सुंदरपुर मे एक उर्वरक की दुकान पर छापेमारी की। एसडीएम के औचक निरीक्षण मे किसी भी दुकान पर किसानो को ई-पास मशीन से खाद वितरण होते नही मिला। नाराज एसडीएम ने विक्रेताओ को कडी फटकार लगाते हुए कहा कि प्रत्येक दशा मे खाद का वितरण किसान के पीओएस मशीन पर अगूंठे निशानी के साथ होनी चाहिए। उर्वरक की दुकान पर यूरिया की आपूर्ति एसडीएम को नही मिली। विक्रेताओ ने बताया कि यूरिया की आपूर्ति शासन स्तर पर नही हो पा रही है। इसके लिए एसडीएम ने शासन को पत्र लिखे जाने की बात कही। एसडीएम के औचक उर्वरक की दुकानो पर निरीक्षण को लेकर बाजारो मे अफरातफरी का माहौल बन गया। एसडीएम बीके प्रसाद ने विक्रेताओ को आगाह किया कि यदि खाद वितरण मे अनियमितता मिली तो दोषियो के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला भूमि संरक्षण अधिकारी रमेश भी मौजूद रहे।

अब श्रम विभाग कराएगा निर्माण श्रमिकों का पंजीयन

प्रतापगढ़। निर्माण कार्य करने वाले जिलेभर के श्रमिकों का अब श्रम विभाग पंजीयन कराएगा। श्रमिक बिना कार्यालय आए सहज जन सेवा केंद्र से अपना पंजीयन करा सकेंगे।जिला श्रम प्रवर्तन अधिकारी डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शिमशन मोरश योजना के तहत श्रमिक किसी भी सहज जन सेवा केंद्र से अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पहले उन्हें पंजीकरण कराने के लिए निर्माण श्रमिक होने का प्रमाण पत्र लगाना होता था। अब यह बाध्यता समाप्त कर दी गई है। श्रमिक का घोषणा पत्र ही इसका प्रमाण पत्र माना जाएगा। श्रमिकों को इसमें अपना आधार कार्ड और बैंक पासबुक भी लगाना होगा। पंजीकरण होने के बाद श्रमिकों को बेटा, बेटी के जन्म, बीमारी और मृत्यु पर भी आर्थिक मदद दी जाएगी।

ग्राम प्रधान के दावों की खुली पोल, गांव में पैदल चलना भी हुआ दुश्वार

प्रतापगढ़। जनपद के विकास क्षेत्र कालाकांकर के ग्राम पंचायत अंधरीपुर के ग्राम प्रधान के दावे की पोल खुल गयी है।ग्राम पंचायत के अदलाबाद गांव में बरसात के मौसम में लोगों का गांव में पैदल चलना भी हुआ मुश्किल हो गया है।

ग्राम पंचायत अंधरीपुर प्रधान के द्वारा इस कदर अनिमियता बरती गयी है कि लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।जो विकास के नाम पर बड़े बड़े दावे किये जा रहे थे वह सब सामने आ गये हैं।लोगों के शिकायत के बाद भी ग्राम प्रधान ने नाली बनवाने से इंकार कर दिया है।

गाँव के लोगों को गांव में जलभराव के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लेकिन अंधरीपुर प्रधान मूक दर्शक बने हुए हैं।ग्रामीणों ने शासन -प्रशासन से अविलंब जलभराव से निजात दिलाए जाने की मांग किया है।

शर्म नहीं सम्मान है, यह औरत की पहचान है

चाइल्डलाइन 1098 द्वारा किशोरियों के साथ महावारी स्वच्छता पर कार्यक्रम का आयोजन

प्रतापगढ़। जिले के चकवन तोड़ ग्राम पंचायत के प्राथमिक विद्यालय में चाइल्डलाइन 1098 द्वारा किशोरियों के साथ महावारी स्वच्छता पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया किशोरियों को सेनेटरी नेपकिन, बिस्कुट भी वितरण किया गया एंव सभी लोगों का थर्मल स्कैनिंग किया गया। चाइल्डलाइन के केन्द्र समन्वयक कृष्ण कांत राय ने किशोरावस्था के दौरान आने वाली समस्याओं पर चर्चा करते हुए कहा कि माहवारी स्वच्छता को लेकर किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान सेनेटरी नेपकिन का इस्तेमाल करना चाहिए। हम लोगों को इसे खरीदने में झिझक नहीं होनी चाहिए। इसके प्रति पुरुषों को भी संवेदनशील होने की जरूरत है। लोगों को बताया कि यह पीरियड कोई छुआछूत या परिवार से अलग रहने के लिए नहीं होता है। बताया गया कि आज भी विशेष दिनों में लड़कियों के साथ घर में अलग व्यवहार किया जाता हैं। ऐसा जागरूकता के अभाव क कारण हो रहा है। इसी क्रम में चाइल्डलाइन के सदस्य हकीम अंसारी ने जेंडर एवं महिला हिंसा पर बताते हुए कहा कि यह शर्म नहीं सम्मान है एक औरत की पहचान है। बेटियों के साथ आउटरीच करते हुए चाइल्डलाइन टीम की ने चाइल्ड लाइन 1098 एंव बाल विवाह के विषय बताया कि शादी के लिए लड़के की 21वर्ष और लड़कियों की 18 वर्ष होना चाहिए। इस कार्यक्रम मे चाइल्डलाइन टीम से तरन्नुम सुल्ताना, अभय राज, साधना विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

ब्लाक सभागार में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

उ.प्र.राज्य ग्रामीण अजीविका मिशन के तहत महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन हेतु हुई कार्यशाला

प्रतापगढ़। जिले के मान्धाता ब्लाक के सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिला स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के लिए 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन अवसर पर बातौर मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि विश्वनाथगंज लोकेश गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्रीन मैन की उपाधि से प्रसिद्धि प्राप्त समाजसेवी अजय क्रांतिकारी उपस्थित रहे।

आयोजित कार्यशाला में क्षेत्रीय महिलाओं को उनके द्वारा परिवार की आर्थिक स्थिति में वृद्धि करते हुए नवसशक्त भारत के निर्माण में उनकी भागीदारी के सुगम और सामर्थ्य अनुसार कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के जीवन स्तर में विकास की गति में नई ऊर्जा भरने का प्रयास किया गया। समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि लोकेश गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि नारी शक्ति की तुलना करना बहुत ही मुश्किल है यदि उनका उपयोग क्रियात्मक और रोजगार परक कार्यो में सुनियोजित तरीके से किया जाए तो देश को विकसित करने के प्रयोजन में बहुत उपयोगी कदम साबित होगा ।

केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार भारत विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनेकों योजनाओं को साकार रूप दे चुकी है और आत्मनिर्भर भारत निर्माण की इन जनउपयोगी योजनाओं में महिलाओं की भूमिका का विशेष ध्यान रखा है। उन्होंने ने आयोजित कार्यशाला को स्थानीय महिलाओं के उपयोगी बताते हुए यह माना कि कार्यशाला में उपस्थित नारी शक्ति ने इसका लाभ लिया होगा और आत्मनिर्भरता के गुण बेहतर तरीके से सीखा होगा। विशिष्ट अतिथि ग्रीनमैन अजय क्रांतिकारी ने उपस्थित महिलाओं को प्रेरित करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं के बारे सरल तरीके से व्याख्या की और विश्वनाथगंज विधानसभा में आयोजित इस आयोजन की आयोजन समिति की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। कार्यशाला का आयोजन आई.सी.आर.पी. द्वारा किया किया एवं आयोजित सभा का संचालन अभिमन्यु जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कस्तूरी मैडम,अभिमन्यु जी,महेंद्र जी आदि सहित क्षेत्रीय महिलाएं उपस्थित रही।

महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन हेतु कार्यशाला में उपस्थित महिलाएं

बकाया रोड टैक्स न भरने वाले कॉमर्शियल वाहनों पर सख्त हुआ परिवहन विभाग

प्रतापगढ़। कोरोना काल का फायदा उठाकर बिना टैक्स जमा किए दौड़ रहे कॉमर्शियल वाहनों पर परिवहन विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर चलाए गए अभियान में बुधवार को भोर में एआरटीओ ने तीन ट्रक व सवारी लेकर जा रही एक बस का चालान कर दिया। कोरोना संक्रमण के कारण परिवहन विभाग ने कॉमर्शियल वाहन स्वामियों को टैक्स जमा करने के लिए दो महीने की छूट दी थी। एक जून से कार्यालय खुलने के बाद वाहन स्वामियों को बकाया टैक्स जमा करने का निर्देश दिया गया, बावजूद इसके वाहन स्वामी बिना रोड टैक्स जमा किए वाहन संचालन कर रहे हैं। अपर आयुक्त परिवहन के निर्देश पर मंगलवार से बकाया टैक्स वाले कॉमर्शियल वाहनों के खिलाफ अभियान के तहत चेकिंग शुरू की गई है। बुधवार को भोर में एआरटीओ सुशील कुमार मिश्र ने तीन ट्रक व एक बस का चालान किया।

काव्य गोष्ठी करके मनायी गई समाजसेवी स्व0 लालजी द्विवेदी की पुण्यतिथि

प्रतापगढ़। ख्यातिलब्ध समाजससेवी व श्रीराम ऑटो सेल्स के मालिक तथा एलजी एकेडमी के प्रबंधक श्याम शंकर द्विवेदीने अपने पितापद लालजी द्विवेदी की तृतीय पुण्यतिथि पर काव्यगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें जनपद के नामचीन कवियों को आमंत्रित किया गया। उक्त काव्यगोष्ठी में कोरोना महामारी को दृष्टिगत रखते हुये सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान रखा गया। गोष्ठी में अवधी के सिद्धहस्त रचनाकार आचार्य अनीश देहाती तथा वरिष्ठ कवि व संचेतना के संस्थापक दया शंकर शुक्ल हेम तथा इं0 चन्द्रकांत पाण्डेय ने अतिथियों के रूप में विद्यमान रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन के प्रधानमंत्री व लब्धप्रतिष्ठ शिक्षाविद अनिल त्रिपाठी ने किया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ गीताकार सत्येंद सिंह सौम्य, लब्धप्रतिष्ठ कवयित्री मीरा तिवारी, शिवानी मिश्रा, सपना मिश्रा, विनय शुक्ल, अंजनी स्वतंत्र, सचिन मिश्रा, आदि रहे। कार्यक्रम का संयाजन गीतों व गजल के माहिर लब्धप्रतिष्ठ कवि गजेन्द्र सिंह विकट ने किया। रवीन्द्र अजनबी के संचालन की प्रशंसा होती रही। कवियों का आभार रामजी द्विवेदी ने प्रकट किया।

जिले के पुलिस अधीक्षक बने अनुराग आर्य

प्रतापगढ़। जनपद में पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात अनुराग आर्य उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के छपरौली के निवासी हैं। इनका जन्म 10 दिसम्बर 1987 को हुआ । यह 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इनके माता और पिता दोनों ही डॉक्टर हैं।अनुराग आर्य कक्षा 5 तक गांव के ही स्कूल में ही शिक्षा ग्रहण की।आगे की पढाई इन्होनें देहरादून के आर्मी स्कूल से की है। अनुराग का बचपन से ही स्पोर्ट्स का बहुत शौक था । स्कूल टाइम से ही वह बास्केटबाल और क्रिकेट खेलते रहे और आगे चलकर उन्होंने बास्केटबाल नेशनल लेवल तक खेला । अनुराग आर्य बीएचयू से फिजिक्स आनर्स ग्रेजुएशन कम्पलीट किया उस समय ये प्रतियोगी परीक्षा की भी तैयारी कर रहे थे। इनके अंदर बचपन से ही खुद को पुलिस की वर्दी में देखने का सपना था ।अनुराग आर्य का दिल्ली विश्वविद्यालय से एमएससी की पढाई के दौरान 2012 में आरबीआई बैंक में मैनेजर पद पर सेलेक्शन हो गया । जिसके बाद उन्हें पढाई बीच में छोड़नी पडी. थी। वह कानपुर आरबीआई ब्रांच आफिस में अनुराग ने पांच महीने काम किया ।उसके बाद उन्होंने 2012 में सिविल सर्विसेज की परीक्षा दिया और प्रथम प्रयास में ही पास हो गये ।2013में ।उनका परिणाम आया और उन्होंने बैंक की नौकरी छोड़कर 2014 में आईपीएस की 11 महीने की ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद चले गये ।2015 में अनुराग को ट्रेनी के रुप में पहली तैनाती गाजियाबाद में मिली ।

यहाँ 5 महीने गुजारने के बाद 2016 में उनकी तैनाती वाराणसी में हो गयी ।यहाँ उन्होंने 16 महीने बतौर सीओ गुजारे ।फिर 2017 में उन्हें उसी शहर में बतौर एसपी पोस्टिंग मिल गयी ।जहाँ उन्होंने कभी बैंक मैनेजर के तौर पर काम किया था । अनुराग आर्य जहाँ कार्यभार सम्भालते है उनकी कार्यशैली सबसे अलग होती है ।जो लोगों को पसंद भी आती है ।श्री आर्य पद सम्भालते ही थानों का निरीक्षण करते हैं ।और लापरवाह पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हैं।

घर गिरने से तीन युवक हुए घायल

कंडा, प्रतापगढ़। जेठवारा थना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा सराय बाबू में भी 24 घंटे की लगातार बारिश में कई घर हुए क्षतिग्रस्त और कई घरों में दीवाल या घर गिरने से युवक भी हुए घायल। घर गिरने से बाइक व खाने पीने का सामान भी दब गया है। खुले आसमान में रहने को मजबूर हैं लोग। समय पर आवास मिल जाता तो आज यह नौबत देखने को ना होती ।कल अत्यधिक वर्षा होने के कारण राममूर्ति विश्वकर्मा जी का घर गिर जाने के कारण उनकी माता जी व पत्नी तथा स्वयं घर में दब जाने से गंभीर चोटे आ गयी। क्षतिग्रस्त घरों को देखने के लिए वँहा पहुचकर माननीय सांसद संगम लाल गुप्ता के नेतृत्व में तथा संगम यूथ फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गुप्ता जी के संरक्षण में तथा संगम यूथ फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा सांसद प्रतिनिधि लोकेश गुप्ता जी के मार्गदर्शन पूरा सहयोग देने का वादा किया। साथ में सरायबाबू संगम यूथ फाउंडेशन के अध्यक्ष सूरज विश्वकर्मा व हमारे प्रिय मित्र लकी दुबे उपस्थित रहे।

मेडल व ट्राफी देकर बढ़ाया मेधावियों का उत्साह

सम्मान समारोह में पुरस्कृत किये गए यूपी बोर्ड के मेधावी

प्रतापगढ़। प्रतिभा का सम्मान करने और उनका उत्साहवर्धन करने से उनमें उत्साह का संचार होता है उनके भीतर उत्साह और जोश का भी संचार होता है समय-समय पर मेधावियों का सम्मान करना भी समाज का दायित्व है उक्त बातें विकासखंड पट्टी के परसद गांव में यूपी बोर्ड के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के 2020 के मेधावियों को सम्मानित करते हुए समाजसेविका इंदु देवी वर्मा ने कही। प्राथमिक विद्यालय परसद में क्षेत्र के 2 दर्जन से अधिक मेधावी छात्र छात्राओं को एक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन करके उन्हें पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इंटरमीडिएट की परीक्षा में बेहतर अंक लाकर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले अर्पिता पटेल अंजली रजक प्रियंका पटेल अनामिका रजक प्रीति पटेल दीपक सिंह बबली रजक सपना पटेल छाया पटेल विवेक कुमार सरोज तथा हाई स्कूल की परीक्षा में सर्वोच्च अंक लाने वाले आयुष प्रजापति विशाल पटेल खुशी सिंह काजल वर्मा अजय कुमार कुमकुम वर्मा शिक्षा पटेल राहुल वर्मा अंजली पटेल लक्ष्मी पटेल पटेल अजय कुमार मनोज पटेल वर्षा गौतम को घड़ी मेडल व ट्राफी देकर उनका सम्मान किया गया कार्यक्रम के आयोजक महेंद्र पटेल ने कहा कि छात्र-छात्राओं का सम्मान जरूरी है इससे समाज मे सकारात्मक संदेश जाता है, इसलिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर इंजीनियर सुदामा प्रसाद वर्मा रामपाल वर्मा रामपाल वर्मा सुनील कुमार संतोष कुमार सहित गांव के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता कमलेश पटेल व संचालन शंभू नाथ चैरसिया ने किया।

प्रतिभा सम्मान समारोह में पुरस्कृत होते बच्चे।

जनपद में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी गिरोह हुआ सक्रिय

प्रतापगढ़। कोरोना काल में नियुक्ति बंद होने के बाद भी युवाओं को नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले सक्रिय हैं। समाज कल्याण विभाग की ओर से 2005 से पहले की मान्यता वाले प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति के बहाने लोगों को जाल में फंसाया जा रहा है।विकास भवन में अब तक युवा कल्याण विभाग में पीआरडी जवानों और पंचायतीराज विभाग में सफाईकर्मियों की नियुक्ति पर सरगर्मी देखी जा रही थी। रोज ग्रामीण इलाके से पहुंचने वाले युवा इसकी सच्चाई की जानकारी ले रहे थे। यह भी चर्चा रही कि एक सक्रिय गिरोह नौकरी दिलाने के लिए सौदेबाजी कर रहा है। इस बीच समाज कल्याण विभाग में शिक्षक की नौकरी के लिए लोग पहुंच रहे हैं। उन लोगों को बताया गया है कि वर्ष 2005 से पहले की मान्यता वाले प्राइवेट प्राथमिक विद्यालयों में संविदा पर शिक्षकों की तैनाती की जा रही है। चर्चा है कि नौकरी दिलाने के लिए सक्रिय गिरोह इसके लिए लाखों में सौदेबाजी भी कर रहा है। अब तक कई लोग इसकी सच्चाई की जानकारी के लिए समाज कल्याण अधिकारी के पास भी पहुंच चुके हैं। समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि उनके पास भी आए दिन लोग इसकी जानकारी के लिए पहुंच रहे हैं जबकि शिक्षकों की नियुक्ति से उनके विभाग का कोई मतलब ही नहीं है। जो भी व्यक्ति इस तरह की अफवाह फैलाकर लोगों को भ्रमित कर रहा है, उसके बारे में छानबीन की जा रही है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने खरीफ फसल अन्तर्गत उर्वरक की उपलब्धता के सम्बन्ध में की बैठक

यूरिया की कालाबाजारी या बढ़ी हुई कीमतों पर खाद बेचने की शिकायत प्राप्त हो तो सम्बन्धित के विरुद्ध की जाये दण्डात्मक कार्यवाही : डीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 रूपेश कुमार की अध्यक्षता में कल सायंकाल कैम्प कार्यालय के सभागार में खरीफ फसल के अन्तर्गत उर्वरक की उपलब्धता के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में ए0आर0 कोआपरेटिव ने बताया कि 12632 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है तथा बफर स्टाक के रूप में 4882 मीट्रिक टन सुरक्षित रखा गया है तथा खाद विक्रेताओं के पास 7463 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि टीम बनाकर सभी सहकारी समितियों तथा निजी खाद विक्रेताओं की रेण्डम चेकिंग की जाये। उन्होने कहा कि शासन द्वारा यूरिया का रेट 266.45 रुपए निर्धारित किया गया है, पी0ओ0एस0 मशीन के माध्यम से ही किसानों को खाद की विक्री की जाये। यदि कालाबाजारी या बढ़ी हुई कीमतों पर खाद बेचने की शिकायत प्राप्त होती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाये। वर्तमान समय में धान की फसल हेतु यूरिया की शत प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु जिलाधिकारी ने ए0आर0 कोआपरेटिव एवं जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होने कहा कि यदि खाद की उपलब्धता कम हो तो बफर स्टाक से यूरिया की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने ए. आर. कोआपरेटिव को निर्देशित किया कि अपने अधीनस्थ अपर जिला सहकारी अधिकारी एवं ए डी. ओ. कोआपरेटिव के पर्यवेक्षण में सहकारी समितियों से खाद वितरण कराना सुनिश्चित करें। खाद वितरण में यदि कोई लापरवाही पायी जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आतिशबाजी की दुकानों का सत्यापन, स्वामित्व योजना, आडिट आपत्तियों का निस्तारण एवं मा0 न्यायालय में तहसीलवार लम्बित प्रतिशपथ पत्र की समीक्षा की गयी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) ने बताया कि भूराजस्व से सम्बन्धित आडिट आपत्तियों रानीगंज में 05, सदर में 49, पट्टी में 06, कुण्डा में 29 तथा लालगंज में 65 है। उपजिलाधिकारी स्तर पर लम्बित प्रतिशपथ पत्र रानीगंज में 20, सदर में 14, पट्टी में 42, कुण्डा में 30 तथा लालगंज में 28 है। उन्होने यह भी बताया है कि स्वामित्व योजना के अन्तर्गत सदर के 06 और रानीगंज के 05 गांव के सर्वेक्षण की कार्यवाही की गयी है। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्वामित्व योजना शासन की प्राथमिकता की योजना है इसमें तेजी लायी जाये और भूराजस्व से सम्बन्धित आडिट आपत्तियों का निस्तारण व लम्बित प्रतिशपथ पत्र का निस्तारण तथा आतिशबाजी की दुकानों का सत्यापन शीघ्र किया जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) शत्रोहन वैश्य, मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित समस्त उपजिलाधिकारी, ए0आर0 कोआपरेटिव, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

संतोष श्रीवास्तव अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (मीडिया प्रकोष्ठ) के बने प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष

लालगंज,प्रतापगढ़। स अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेंद्र श्रीवास्तव एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सचिन श्रीवास्तव द्वारा अमेठी जनपद निवासी दैनिक सहारा जीवन के प्रकाशक एवं संपादक संतोष कुमार श्रीवास्तव को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मीडिया प्रकोष्ठ का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है स उनके मनोनयन पत्र में महासभा के अध्यक्ष ने श्री श्रीवास्तव को संगठन की मजबूती एवं समाज के प्रति सदैव सजग, सतर्क एवं सहयोग की भावना के प्रति समर्पित रहने का निर्देश दिया है स श्री श्रीवास्तव के मनोनयन पर जनपद के कायस्थ बंधुओं में विनोद श्रीवास्तव, सतीश श्रीवास्तव, वीरेंद्र श्रीवास्तव, रजनीश श्रीवास्तव, अरविंद श्रीवास्तव, प्रवीण श्रीवास्तव, पुलकित खरे,आशुतोष सक्सेना, अरविन्द भटनागर, शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, शुभम श्रीवास्तव,अजय श्रीवास्तव, ज्ञान चंद्र श्रीवास्तव, शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, मयंक श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव सहित अन्य कायस्थ बंधुओं ने हर्ष व्यक्त किया ह।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी आईपीएल के सभी मैच खेल सकते हैं: आरसीबी

आरसीबी की टीम कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में शुक्रवार को दुबई को पहुंचेगी

नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के चैयरमैन संजीव चूड़ीवाला का कहना है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी आईपीएल के शुरुआती मैच समेत टूर्नामेंट के सभी मैच खेलेंगे। चूड़ीवाला ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिये कहा कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी 17 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंच जाएंगे जहां 19 सितंबर से 10 नवंबर तक आईपीएल का आयोजन होना है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को दो से 16 सितम्बर तक सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। उनके अनुसार यूएई पहुंचने पर कड़ी टेस्टिंग प्रक्रिया से गुजरने के बाद इन खिलाड़ियों को अपनी टीमों के शुरूआती मैचों को छोड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आरसीबी चेयरमैन के अनुसार आरसीबी की टीम कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में शुक्रवार को दुबई को पहुंचेगी। दक्षिण अफ्रीका के एबी डीविलियर्स, क्रिस मोरिस और डेल स्टेन भी इस सप्ताह के अंत में दुबई पहुंच जाएंगे जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज इशुरु उदाना एक सितंबर को टीम से जुड़ेंगे। खिलाड़ियों को आईपीएल के लिए यूएई पहुंचने पर सात दिनों के लिए क्वारेंटीन में रहने के संकेत के बाद इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों के आईपीएल के शुरुआती मुकाबलों में खेलने पर संशय था। इस दौरान खिलाड़ियों को ट्रेनिंग से पहले तीन टेस्ट से भी गुजरना था।

कोरोना वायरस के कारण सुरक्षा को देखते हुए आईपीएल संचालन परिषद ने फ्रेंचाइजों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तय की थी जिसे सभी फ्रेंचाइजों के साथ साझा किया गया था।

आईपीएल की आठ टीमों में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के करीब 29 खिलाड़ी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के आईपीएल के शुरुआती मैचों में नहीं खेलने का प्रभाव सर्वाधिक राजस्थान रॉयल्स पर पड़ता। राजस्थान की टीम में जोफ्रा आर्चर, जोस बटलर, स्टीवन स्मिथ, बेन स्टोक्स और टॉम करेन जैसे खिलाड़ी शामिल है जिन्हें 16 सितंबर तक द्विपक्षीय सीरीज खेलनी है।

चूड़ीवाला ने स्पष्ट किया कि एसओपी के तहत जो खिलाड़ी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की सीरीज खेलकर यूएई पहुंचेंगे उन्हें प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा। उन्होंने कहा, ''खिलाड़ी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से 17 सितंबर को यूएई पहुंचेंगे जो मुकाबले के काफी करीब है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसके लिए एसओपी में सारी प्रक्रिया बतायी है।'' उन्होंने कहा, ''एसओपी में साफ बताया गया है कि इन खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए क्वारेंटीन में नहीं रहना होगा क्योंकि ये खिलाड़ी जैविक सुरक्षा वातावरण से आएंगे। यह साफ है कि जो खिलाड़ी द्विपक्षीय सीरीज खेल रहे हैं वो सुरक्षा प्रोटोकॉल के अंतर्गत ही खेल रहे हैं और उन्हें यहां भी सुरक्षा प्रोटोकॉल में ही खेलना है। चैयरमैन ने कहा, ''सीरीज खत्म होने के बाद जैविक सुरक्षा वातावरण से सीधे यह खिलाड़ी बिना किसी माइग्रेशन प्रक्रिया के चार्टर्ड प्लेन में जाएंगे जहां उन्हें आम जनता नहीं मिलेगी। उन्होंने बताया कि अगर इन खिलाड़ियों में से किसी ने प्रोटोकॉल को तोड़ा तो उसे यूएई में उतरने के बाद छह दिनों तक क्वारेंटीन में रहना होगा और टीम के साथ जुड़ने से पहले सप्ताह में तीन बार कोरोना टेस्ट से गुजरना होगा। *एजेंसी*

पांड्या ने आईपीएल के लिए तैयारियां शुरू कीं

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अगले माह शुरू हो रहे आईपीएल के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। पांड्या ने एक तस्वीर भी साझा की है जिसमें वह अभ्यास करते नजर आ रहे है।
हाल में पांड्या नेट्स में बल्लेबाजी भी करते नजर आये थे। आईपीएल इस साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा। हार्दिक काफी समय से टीम से बाहर हैं। उन्हें पीठ की सर्जरी के लिए लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा। वहीं जब वह ठीक हुए तो कोरोना महामारी के कारण खेल को रोक दिया गया। ऐसे में अब हार्दिक बेहतर प्रदर्शन कर टीम इंडिया में अपनी वापसी करना चाहेंगे। हार्दिक के क्रिकेट करियर पर नजर डाले तो उन्होंने अभी तक 11 टेस्ट मैचों की 18 पारियों में 532 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं।

युगल ओलंपिक बैडमिंटन चैंपियन जापान की ताकाहाशी ने लिया संन्यास

टोक्यो ओलंपिक एक साल के लिए स्थगित होने पर वह अपनी प्रेरणा को बरकरार नहीं रख पाएंगी

टोक्यो। जापान की ओलंपिक चैंपियन युगल बैडमिंटन खिलाड़ी अयाका ताकाहाशी ने संन्यास लेने की घोषणा की है क्योंकि टोक्यो ओलंपिक एक साल के लिए स्थगित होने पर वह अपनी प्रेरणा को बरकरार नहीं रख पाएंगी। 30 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने पत्रकार वार्ता में अपने संन्यास लेने की घोषणा करते हुए कहा कि वह टोक्यो ओलंपिक एक साल के लिए स्थगित होने पर वह अपनी प्रेरणा को बरकरार नहीं रख पाएंगी इसलिए उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया है।

ताकाहाशी ने कहा, ''टोक्यो ओलंपिक के अगले साल तक के लिए स्थगित होने के बाद मैं अपनी प्रेरणा को बरकरार नहीं रख पाऊंगी। मैंने सोचा था कि मैं ओलंपिक क्वालीफिकेशन अवधि तक खेलूंगी लेकिन मैंने अपनी इच्छानुसार अपने बैडमिंटन करियर को खत्म करने का फैसला किया है।''
ताकाहाशी ने 2016 रियो ओलंपिक के युगल वर्ग में अपनी जोड़ीदार मिसाकी मतसुतोमो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2018 में अपने देश के लिए उबेर कप जीता जबकि विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने दो बार एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप और ऑल इंग्लैंड खिताब भी जीता। ताकाहाशी और मतसुतोमो युगल वर्ग की मौजूदा रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं। उनका आखिरी टूर्नामेंट मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप थी जहां उन्होंने शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की जोड़ी चेन किंगचेन और जिया यिफान की जोड़ी को हराया था। मतसुतोमो ने अपनी जोड़ीदार ताकाहाशी के संन्यास लेने पर कहा, ''मुझे यकीन है कि मैं उनके बिना रियो ओलंपिक में स्वर्ण पदक सहित कई टूर्नामेंटों में अच्छे नतीजे हासिल नहीं कर पाती। मैं उन्हें इन सबके लिए धन्यवाद देती हूं।'

प्रफुल्ल मोरे और खुशबू रानी बने ऑनलाइन चैलेंज कैरम के विजेता

नयी दिल्ली। जब पूरी दुनिया कोविड-19 के कारण लॉकडाउन का सामना कर रही है और किसी भी खेल कार्यक्रम को आयोजित करना मुश्किल है तो ऐसे समय में केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक और क्रीड़ा बोर्ड (सीसीएससीएसबी) भारत सरकार ने खिलाड़ियों में खेल को बढ़ावा देने और उन्हें सक्रिय रखने तथा उनको खेल के साथ जोड़े रखने के लिए पहली बार फेसबुक पर ऑनलाइन कैरम चैलेंज - 2020 का आयोजन किया जिसमें प्रफुल्ल मोरे और खुशबू रानी ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया। विजेता को 5100 रुपये और उप विजेता को 3100 रुपये नकद पुरस्कार दिया गया। प्रत्येक व्हाइट स्लैम के लिए 500 का पुरस्कार भी दिया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट भी दिया गया। सीसीएससीएसबी कैरम के संयोजक विजयेंद्र कुमार सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 10 अगस्त से शुरू हुए इस चैलेंज में सभी प्रतिभागियों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। केंद्रीय सचिवालय की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी देबजानी तामूली कुल लीग में शीर्ष पर रही लेकिन फाइनल में कड़े मु काबले में बिहार सचिवालय की खुशबू रानी से 44-47 से हार गयी।

शुभमन गिल इस साल नेतृत्व समूह में शामिल होंगे: मैकुलम

कोलकाता। आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा है कि टीम के युवा खिलाड़ी शुभमन गिल इस साल नेतृत्व समूह में शामिल होंगे।

आईपीएल इस साल 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र अमीरात (यूएई) में होना है। केकेआर की टीम कप्तान दिनेश कार्तिक और उपकप्तान इयोन मोर्गन के नेतृत्व में इस टूर्नामेंट में उतरेगी। केकेआर ने दो बार आईपीएल का खिताब जीता है। मैकुलम ने कहा, ''शुभमन में क्या प्रतिभा है और वह एक अच्छा लड़का भी है। वह इस साल हमारे नेतृत्व समूह का हिस्सा भी होगा। वह युवा है लेकिन मैं विश्वास करता हूं कि यह जरूरी नहीं कि एक अच्छा लीडर बनने के लिए खिलाड़ी ज्यादा लंबा खेले।''
उन्होंने कहा, ''यह आप पर है कि आप अपने लीडर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। यह हमेशा अच्छा होता है कि आपकी टीम में और भी लीडर हों। हमारे लिए शुभमन वो खिलाड़ी है। कोच ने कहा, ''मैं कार्तिक के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। हम भले ही अलग व्यक्तिव वाले हैं लेकिन हमारे पास कुछ सामान्य विचार साझा करने के लिए है। मेरे ख्याल से वक्त बताएगा लेकिन हमारा लक्ष्य तय है और हमें उम्मीद है कि हम मेहनत करके इस साल बेहतर प्रदर्शन करेंगे।''

आरसीबी में विराट की कप्तानी को कोई खतरा नहीं: चूड़ीवाला

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के चैयरमैन संजीव चूड़ीवाला ने स्वीकार किया है कि टीम पर आईपीएल के 12 सत्रों में एक बार भी खिताब नहीं जीत पाने का दबाव भले ही हो लेकिन आरसीबी में विराट कोहली की कप्तानी को कोई खतरा नहीं है। विराट 2008 में आईपीएल के पहले सत्र से ही आरसीबी से जुड़े रहे हैं और उनकी कप्तानी में बेंगलुरु ने 110 मुकाबलों में 49 मैच जीते हैं 55 मैच हारे हैं। विराट के नाम एक सत्र में सर्वाधिक 973 रन बनाने और साथ ही सर्वाधिक शतक (चार) का रिकॉर्ड शामिल है।

चूड़ीवाला ने गुरूवार को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में विराट की कप्तानी को लेकर कहा, ''विराट भारतीय टीम के भी कप्तान हैं और उनके काफी प्रशंसक हैं। हम सभी विराट को पसंद करते हैं। यह खेल ऐसा ही है, कभी आप हारते हैं, कभी आपको जीत मिलती है लेकिन यह भूलना नहीं चाहिए कि विराट का रिकॉर्ड कैसा है। आरसीबी का मालिक होने के नाते मैं यह कहना चाहता हूं कि हमें इस बात पर गर्व है कि विराट हमसे जुड़े हुए हैं।'विराट पिछले सात सत्रों से आरसीबी की कप्तानी संभाल रहे हैं और चूड़ीवाला का कहना है कि वह कप्तान बने रहेंगे। विराट की कप्तानी में टीम 2017 में आठ टीमों में आठवें स्थान पर रही थी और केवल तीन मैच जीत पायी थी। अगले साल 2018 में बेंगलुरु टीम छह जीत के साथ छठे स्थान पर रही थी। पिछले साल 2019 में टीम ने लगातार छह हार के साथ शुरुआत की थी और केवल पांच जीत दर्ज कर फिर आठवें स्थान पर रही थी। चूड़ीवाला ने टीम के प्रदर्शन और एक बार भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाने पर कहा, ''प्रदर्शन ऐसी चीज है जिससे टीम का मनोबल बढ़ता है। हम तीन बार (2009, 2011, 2016) फाइनल में पहुंचे लेकिन एक बार भी खिताब नहीं जीत सके। इसमें कोई शक नहीं कि इससे हमारे ऊपर दबाव बढ़ा है। लेकिन हमने हर बार इससे सीख ली है। हमारा आखिरी दो सत्रों में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है।

जल्द शुरु होगा इंग्लैंड-पाकिस्तान का तीसरा टेस्ट

साउथम्पटन। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार से शुरु होने वाला सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच मौसम खराब रहने की सूरत में आधे घंटे पहले शुरु किया जाएगा। इंग्लैंड में टेस्ट मैच सुबह 11 बजे शुरु होता है लेकिन दूसरा टेस्ट मैच पांचों दिन खराब मौसम के कारण बाधित रहा था और यह ड्रा समाप्त हुआ था जिसके बाद टेस्ट मुकाबले को थोड़ा जल्दी कराने की मांग उठी थी। दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान की पहली पारी पूरी हुई थी जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी अंतिम दिन चार विकेट गंवाने के बाद घोषित की थी जिसके साथ ही मैच ड्रा हो गया था। पूरे मैच में 134.3 ओवर ही फेंके जा सके थे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बयान जारी कर कहा, ''ईसीबी ने मैच रेफरी क्रिस बॉड के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और प्रसारक सहित विभिन्न साझेदारों से चर्चा की।

धोनी नए भारत के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों में से एक: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पत्र लिखकर उनके योगदान को सराहते हुए कहा है कि वह नए भारत के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों में से एक हैं। धोनी ने इसके लिए श्री मोदी का आभार व्यक्त किया है। भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक धोनी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन शाम सात बज कर 29 मिनट पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। प्रधानमंत्री ने बुधवार को धोनी को लिखे दो पेज के पत्र में पूर्व कप्तान को भावुक संदेश दिया और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान को सराहा। पूर्व भारतीय कप्तान ने गुरूवार को प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

श्री मोदी ने न केवल धोनी की क्रिकेट मैदान पर उनकी उपलब्धियों के लिए सराहना की बल्कि उन्होंने भारत और विश्व में खेलों के लिए जो किया उसे भी सराहा। उन्होंने कहा, ''आपने अपने ही अंदाज में वीडियो जारी कर संन्यास की घोषणा की जो पूरे देश में जबरदस्त चर्चा का विषय बन गया। हालांकि 130 करोड़ भारतीय इससे निराश जरूर हुए लेकिन वे सभी दिल से आपके आभारी हैं जो आपने डेढ़ दशक में भारतीय क्रिकेट के लिए किया है। धोनी ने भी प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए ट्वीट कर कहा, ''कलाकार, सैनिक और खिलाड़ी... सराहना के लिए क्या यादगार शब्द हैं जिससे पता चलता है कि आपकी कड़ी मेहनत और बलिदान को देखा गया है और सराहा गया है। धन्यवाद प्रधानमंत्री जी आपकी सराहना और शुभकामनाओं के लिए।' भारत को अपनी कप्तानी में दो विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी तथा नंबर एक टेस्ट रैंकिंग दिलाने वाले धोनी ने 15 अगस्त को संन्यास की घोषणा कर अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2007 में टी-20 विश्व कप, 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती।

यूएई को आईपीएल मैचों में दर्शकों की उम्मीद

दुबई। इंग्लैंड में वेस्ट इंडीज और पाकिस्तान के साथ टेस्ट सीरीज दर्शकों के बिना खेली गयी है लेकिन आईपीएल की मेजबानी कर रहे अमीरात क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि 19 सितम्बर से होने वाले आईपीएल में दर्शकों की मौजूदगी रहेगी। आईपीएल के 13वें संस्करण का आयोजन 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक होना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से आईपीएल के आयोजन की सहमति मिलने के बाद से अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने इस टी-20 लीग की तैयारियां शुरू कर दी हैं। 53 दिन तक चलने वाले आईपीएल के मैच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तीन शहरों दुबई, शारजाह और अबु धाबी में खेले जाएंगे। यूएई में स्टेडियम में आईपीएल के दौरान भारत जैसा उत्सव जैसा माहौल बनाना तो मुश्किल होगा क्योंकि कोरोना के खतरे को देखते हुए मैच जैव सुरक्षा वातावरण में खेले जाएंगे। अमीरात क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि मैचों में दर्शकों की उपस्थिति रहेगी और इसके लिए वह अधिकारियों से बात करेंगे और यह भी तलाशेंगे कि दर्शकों के लिए किस तरह के प्रोटोकॉल की जरूरत पड़ेगी। अमीरात क्रिकेट बोर्ड भारतीय बोर्ड से भी दर्शकों की जरूरत के बारे में बात करेगा।

डेलियान में चीनी सुपर लीग फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

नागल का मुकाबला वावरिंका से

प्राग। भारत के सुमित नागल एक करोड़ 22 लाख रुपये की इनामी राशि प्राग चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। यहां सुमित का सामना स्विटजरलैंड के स्टार खिलाड़ी स्टान वावरिंका से होगा। सुमित ने दूसरे दौर में अपने से कम रैंकिंग वाले स्थानीय खिलाड़ी जिरी लेहेच्का को हराया।
नागल ने दो घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में लेहेच्का को 5-7, 7-6(4), 6-3 से हराया। नागल ने पिछले साल अमेरिकी ओपन में रोजर फेडरर से खेला था। उन्होंने स्विस खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट जीता भी था। वहीं भारत के ही दिविज शरण और एन श्रीराम बालाजी युगल मुकाबलों में अलग-अलग जोड़ीदारों के साथ उतरेंगे।

जनसंदेश टाइम्स प्रा. लि. के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा,** 8/6 ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक - प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. -0532 - 2400063
आरएनआई नं. UPHIN/2012/46202
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13.

जनसंपादकीय

क्या राममंदिर शिलान्यास की तुलना देश की आजादी से की जा सकती है?

गत पांच अगस्त को हमारे देश के प्रधानमंत्री ने उस स्थान पर राममंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया जहाँ आज से 28 साल पहले बाबरी मस्जिद को जमींदोज किया गया था. प्रधानमंत्री ने एक धर्मनिष्ठ हिन्दू की वेशभूषा में यजमान की हैसियत से एक लम्बी पूजा की. मौके पर जो लोग मौजूद थे उनमें आरएसएस के मुखिया शामिल थे. संघ वह संगठन है जो धर्मनिरपेक्ष, विविधवर्णी और बहुवादी भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहता है.

पूजा के बाद अपने भाषण में श्री नरेन्द्र मोदी ने दावा किया कि मंदिर के भूमिपूजन के दिन, पांच अगस्त, की तुलना 15 अगस्त से की जा सकती है, जिस दिन देश आजाद हुआ था. उन्होंने कहा, भारत की स्वाधीनता के लिए कई पीढ़ियों ने अपना सब कुछ बलिदान कर दिया. जिस तरह 15 अगस्त हमें लाखों लोगों द्वारा किये गए बलिदानों की याद दिलाता है उसी तरह राममंदिर, सदियों के संघर्ष का गवाह है..... उन्होंने कहा कि जिस तरह समाज के सभी वर्गों के लोगों ने महात्मा गाँधी के नेतृत्व में देश को स्वाधीन करने में भूमिका निभायी थी उसी तरह, दलितों, आदिवासियों और सभी अन्य वर्गों ने राममंदिर की नींव रखने में अपना योगदान दिया है.ह्व उन्होंने यह भी कहा कि भगवान राम का अस्तित्व मिटाने के बहुतेरे प्रयास हुए...अंततः रामजन्मभूमि विनाश और पुनर्जीवन के चक्र से मुक्त हो गयी है. भारत के करोड़ों लोगों का सदियों का इंतजार समाप्त हो गया है.

अपने आप को धर्मनिरपेक्ष बताने वाली पार्टियों में से केवल कुछ ने प्रधानमंत्री के कथनों पर आपत्ति उठाई. किसी ने प्रधानमंत्री को यह नहीं बताया कि देश की आजादी की रामजन्मभूमि मंदिर के भूमिजन से तुलना करना पूरी तरह से बेमानी है. भारत का स्वाधीनता संग्राम सत्य, अहिंसा और समावेशिता पर आधारित एक प्रजातान्त्रिक संघर्ष था. वह दुनिया का सबसे बड़ा जनांदोलन था जिसने न केवल भारत में उपनिवेशवाद का अंत किया वरन वह दुनिया के कई उपनिवेशों में मुक्ति संघर्ष का प्रेरणास्त्रोत बना. इस आन्दोलन ने ब्रिटिश शासकों की लूटमार और उनके वर्चस्ववादी रवैये के विरुद्ध औपिनिवेशिक भारत की आवाज को बुलंद किया. उसने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल्यों को रेखांकित किया. जिन दिग्गज नेताओं ने आधुनिक भारत के निर्माण की नींव रखी उन्होंने इन उच्च मूल्यों की रक्षा की. सबके साथ न्याय इस संघर्ष का मूल मंत्र था. इस संघर्ष में धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए जगह थी; इसमें मुक्तिकमी दलितों, महिलाओं और आदिवासियों ने भाग लिया. राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के कठिन प्रयासों से देश के विभिन्न भागों में रहने वाले लोगों के बीच बंधुत्व और एकता का भाव पनपा.

पंद्रह अगस्त 1947 को यह संघर्ष फलीभूत हुआ. जो देश उस दिन अस्तित्व में आया उसकी आस्था धर्मनिरपेक्षता और प्रजातंत्र में थी. जो संविधान हमने बनाया वह आधुनिक राष्ट्र-राज्य के सिद्धांतों पर आधारित था. भारत ने औद्योगिकीकरण और आधुनिक शिक्षा की राह अपनाई. उसने वैज्ञानिक संस्थाओं की नींव रखी और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया. धर्मनिरपेक्षता को देश की राजनैतिक-सामाजिक व्यवस्था का आधार घोषित किया गया. हमने उद्योग, शिक्षा, कृषि आदि क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की.

राममंदिर आन्दोलन उन सभी मूल्यों का नकार था जिन पर भारतीय स्वाधीनता संग्राम की नींव रखी गयी थी. इस आन्दोलन का आधार न तो सत्य था और ना ही अहिंसा. यह पूरा आन्दोलन इस अवधारणा पर आधारित था कि भगवान राम का जन्म ठीक उसी स्थान पर हुआ था जहाँ बाबरी मस्जिद खड़ी थी. सन 1949 में विवादित स्थल में रामलला की मूर्तियों की स्थापना की गयी और 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद ढहा दी गयी. ये दोनों कृत्य अवैध, गैर-कानूनी और आपराधिक थे. न्यायपालिका ने पहले विवादित भूमि को तीन भागों में विभाजित किया (जिसमें से एक-तिहाई मुस्लिम पक्ष को दी गयी) परन्तु बाद में पूरी जमीन को हिन्दू पक्ष को सौंप दिया गया. मजे की बात यह है कि अदालत ने यह स्वीकार किया कि मस्जिद का ढहाया जाना आपराधिक कृत्य था. अदालत इस नतीजे पर भी नहीं पहुंची कि भगवान राम का जन्म उसी स्थान पर हुआ था.

स्वाधीनता आन्दोलन के विपरीत, राममंदिर आन्दोलन के आधार थे मिथक, अपराध और हिंसा. रथयात्रा के दौरान और उसके बाद हुई हिंसा में हजारों लोग मारे गए. बाबरी मस्जिद के ध्वंस के बाद भी देश भर में जबरदस्त खून-खराबा हुआ. जहाँ स्वाधीनता आन्दोलन का चरित्र समावेशी था वहीं इस आन्दोलन ने अल्पसंख्यकों को इस हद तक निशाना बनाया कि आज मुसलमानों का एक बड़ा तबका अपने मोहल्लों में सिमट गया है. इसके ठीक उलट, स्वाधीनता संग्राम हिन्दुओं और मुसलमानों को एक-दूसरे के नजदीक लाया था.

राममंदिर आन्दोलन, ऊंच-नीच और अंधश्रद्धा के मूल्यों को पुनर्जीवित करने वाला आन्दोलन था. इस आन्दोलन ने अंधश्रद्धा को बढ़ावा दिया जबकि हमारा संविधान, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की बात करता है. इसके कारण, केवल आस्था के आधार पर अतीत को गौरवशाली बताने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिला है. इसमें कोई संदेह नहीं कि प्राचीन भारत ने चिकित्सा विज्ञान, गणित और अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की थीं परन्तु इसका यह अर्थ नहीं है कि आधुनिक विज्ञान की सभी खोजों और अविष्कारों को हम प्राचीन भारतीय ऋषियों की देन बताने लगें.

प्रधानमंत्री चाहे जो दावा करें परन्तु राममंदिर आन्दोलन सदियों पुराना नहीं है. इससे सम्बंधित कुछ घटनाएं उन्नीसवीं सदी के अंत में हुईं थीं परन्तु कुल मिलाकर यह कुछ दशक पुराना ही है. इसकी शुरुआत लालकृष्ण आडवाणी ने भाजपा के राजनैतिक एजेंडा में राममंदिर को शामिल कर की थी.

यह सब कुछ जानते-बूझते हुए भी पांच अगस्त की तुलना 15 अगस्त से क्यों की जा रही है? इसका कारण यह है कि जो लोग राममंदिर के कर्ताधर्ता हैं उनके वैचारिक बाप-दादों की स्वाधीनता आन्दोलन में कोई भूमिका नहीं थी. वे किसी भी तरह जनता में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहते हैं. इसी उद्देश्य से वे आजादी के बाद के भारत की उपलब्धियों को कम करके बताते हैं और इसी कारण वे विघटनकारी राममंदिर आन्दोलन की तुलना समावेशी स्वाधीनता आन्दोलन से कर रहे हैं. स्वाधीनता आन्दोलन में निहित धर्मनिरपेक्षता ने आधुनिक भारत के निर्माण में भूमिका निभायी. राममंदिर आन्दोलन में निहित साम्प्रदायिकता हमें भारतीय संविधान के मूल्यों से दूर, पुनरुत्थानवाद और अंधश्रद्धा की अंधेरी गलियों में ढकेल रही है.

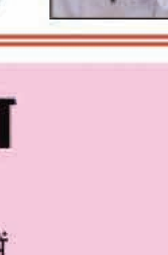

राम पुनियानी

(लेखक आईआईटी, मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

प्रशान्त भूषण एक प्रतीक हैं

समय-संदर्भ

रविभूषण

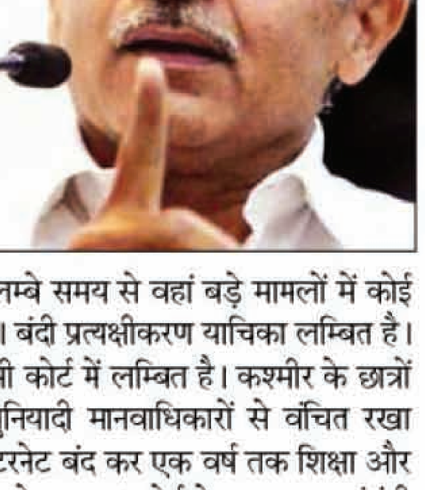

कल 20 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में अदालत की अवमानना के दोषी पाए गए वरिष्ठ वकील प्रशान्त भूषण को सजा पर सुनवाई पूरी हो गयी। सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्विचार याचिका की सुनवाई तक सजा का ऐलान न किये जाने की बात कही। अटार्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने सुप्रीम कोर्ट से प्रशान्त भूषण को सजा नहीं देने पर विचार करने को कहा। जिस किसी ने योगेन्द्र यादव के वाल पर कल का विशेष कार्यक्रम हम देखेंगे देखा और सुना है, उसके समक्ष सारी चीजें साफ हो चुकी हैं। प्रशान्त भूषण का वक्तव्य ऐतिहासिक रहा। उन्होंने अपने वक्तव्य पर कोर्ट के पुनर्विचार करने की बात नहीं स्वीकारी। उन्होंने अपने ट्वीट्स को अपनी ड्यूटी कहा कर उसे संस्था को बेहतर बनाने जाने के प्रयास के रूप में देखे जाने की बात कही। किसी भी संस्था की खुली आलोचना को लोकतंत्र में आवश्यक माना। उसे अपनी निजी राय, विश्वास और विचार कहा, जिसे रखना उनका अधिकार है। जस्टिस अरुण मिश्रा ने अपने पूरे कैरियर में एक भी व्यक्ति को अवमानना का दोषी न ठहराने की बात भी कही। प्रशान्त भूषण ने अपने वक्तव्य का समापन गांधी के प्रसिद्ध बयान से किया - मुझे दया और सहानुभूति नहीं चाहिए। कोर्ट जो भी सजा देगा, उसे वे सहर्ष लेने को तैयार हैं।

प्रशान्त भूषण को पूरा देश सैल्यूट कर रहा है। अब वे एक प्रतीक हैं। 63 वर्षीय प्रशान्त भूषण (1956) देश के जानेमाने, सुविख्यात वरिष्ठ अधिवक्ता हैं - निर्भीक, साहसी, समझौता विहीन, सत्य निष्ठा, भ्रष्टाचार विरोधी सक्रियतावादी। सुप्रीम कोर्ट में उन्होंने लगभग 500 से अधिक जनहित याचिकाओं पर जनता की तरफ से केस लड़ा है। देश की कानूनी संरचना को भ्रष्टाचार मुक्त कराने और उसके पारदर्शी होने के लिए निरन्तर सक्रिय. न्यायाधीशों ने उनके कारण ही 2009 में अपनी सम्पत्ति घोषित करने का निर्णय लिया। अपने साहसी, निर्भक व्यक्तित्व के कारण, निरन्तर लोकतंत्र और संविधान के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ाई लड़नेवाले प्रशान्त भूषण अब एक प्रतीक के रूप में उपस्थित होंगे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़कर उन्होंने प्रिंसटन विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की। 1976-77 में ए डी एम जबलपुर वाला केस प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट में बैठकर सुना था और उसी समय न्याय के पक्ष में खड़े होने का संकल्प लिया. स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2020) की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष एन.साई बाला जी के आग्रह पर दिये अपने वक्तव्य में उन्होंने संविधान में प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकार-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता आदि की ओर ध्यान दिलाया और यह कहा कि संविधान में कार्यपालिका, विधायिका की सीमाएँ, बाँधी गयी है। न्यायपालिका का गठन संविधान और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए किया गया है। संस्थाओं पर प्रहार हो रहा है और न्यायपालिका को स्वतंत्रता को समाप्त करने की कोशिश जारी है। पिछले छह साल में लोकतंत्र की हत्या की गयी है, जिसे रोकने का काम न्यायपालिका का था। आचार संहिता के उल्लंघन के बाद भी चुनाव आयोग लगभग खामोश है। सीवीसी, सीबीआई, कैग जैसी संस्थाओं को सरकारी कब्जे में करने की कोशिशें हैं।

लॉकडाउन को लोकतंत्र के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। संसद ठप है और अध्यादेश लाये जा रहे हैं। बेरोजगारी 20 प्रतिशत से अधिक है। दूरदर्शन पर जन-जीवन से जुड़े मुद्दों पर कहीं कोई चर्चा नहीं है। वे सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ मशहूर अधिवक्ता के साथ-साथ पब्लिक इंटेलेक्चुअल हैं।

भारत में अवमानना कानून औपनिवेशिक युग का कानून है, जो ब्रिटेन के कानून के अनुसार 1926 में बनाया गया। इसमें कई बदलाव भी किये गये, पर इसका मूल स्वरूप बना रहा। ब्रिटेन में 1931 के बाद इस कानून के तहत कोई मामला दर्ज नहीं हुआ, पर भारत में इस एक्ट के तहत लगभग एक लाख मामले के होने की बात कही जाती है। 27 मई 1949 को संविधान सभा में अवमानना कानून को पहले अनुच्छेद 108 के रूप में पेश किया गया था, जिसे सहमति के पश्चात 129वें अनुच्छेद के रूप में स्वीकार गया। उस समय यह तर्क दिया गया था कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में रूकावट पैदा कर सकता है, पर आंबेडकर ने सुप्रीम कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेने के अधिकार की चर्चा में इसे आवश्यक माना था। सेंट्रल प्रोविंसेज एण्ड बरार से कांग्रेस के टिकट पर संविधान-सभा में निर्वाचित पारसी सदस्य रूस्तम के सिधवा (1882-1957) ने तब यह कहा था कि इंसान होने के कारण जज भी गलती कर सकते हैं। यह मानना सही नहीं होगा कि वे अवमानना कानून का इस्तेमाल विवेक से ही करेंगे। संविधान सभा में आम सहमति बनने के बाद यह कानून अस्तित्व में आया। अब ब्रिटेन में अदालत पर लांछन का अपराध अपराध-सूची में नहीं है। संयुक्त राज्य अमरीका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रमुख है, न कि न्यायालय की अवमानना। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 129 और 215 के तहत उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय को अपने अवमानना के लिए दंड देने की शक्ति है। 1971 के ऐक्ट के बाद 2006 के संशोधन में दो बिन्दु और जुड़े कि जिसके खिलाफ अवमानना का मामला चल रहा हो, उसकी सच्चाई और नीयत पर भी ध्यान दिया जाय। संसद और विधानसभाएँ संविधान प्रदत्त अनुच्छेद 129 और 215 के अधीन मिले न्यायपालिका के अधिकारों में कोई कटौती नहीं कर सकती है।

जस्टिस अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय खंडपीठ ने स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के पूर्व दिवस 14 अगस्त (शुक्रवार) को 108 पृष्ठों के फैसले में वकील प्रशान्त भूषण को अवमानना का दोषी ठहराया। एक माह के अंदर इस केस का फैसला कर दिया गया। फैसले में कोर्ट को संविधान का संरक्षक कहा गया है और अघोषित आपातकाल लगने की बात को बेहद अस्वीकार्य माना गया है। प्रशान्त भूषण ने 142 पृष्ठों के अपने हलफनामे में यह कहा था कि मुख्य न्यायाधीश के कार्यों या मुख्य न्यायाधीश के उत्तराधिकार को आलोचना करना न तो न्यायालय को डरा सकता है और न ही अदालत के अधिकार को कम करता है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आलोचना के अधिकार में न्यायपालिका की निष्पक्ष और मजबूत आलोचना शामिल है। प्रशान्त भूषण के अवमानना-संबंधी दोनों केस (2009 और दो ट्वीट्स) जस्टिस अरुण मिश्रा की बेंच के सामने आए। जस्टिस अरुण मिश्रा के विरूद्ध प्रशान्त भूषण एक-दो बार सार्वजनिक रूप से बोल चुके हैं। कोर्ट में अपने एक केस में उन्होंने जस्टिस मिश्रा को रेसक्यू कर लेने को कहा था। जस्टिस मिश्रा ने कोर्ट में उनसे यह कहा था कि वे उन पर अवमानना का केस चलायेंगे। प्रशान्त भूषण ने यह आशंका प्रकट की थी कि उन्हें जस्टिस अरुण मिश्रा की बेंच से न्याय नहीं मिलेगा। 2 सितम्बर 2020 को जस्टिस अरुण मिश्रा सेवा-निवृत्त हो रहे है। प्रशान्त भूषण ने मौजूदा समय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से निपटने को कोई प्रभावी प्रक्रिया न देखकर वकीलों द्वारा जनहित में उठाये ऐसे मुद्दों को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में आने की बात कही है। आंतरिक प्रक्रिया अपर्याप्त और अप्रभावी है और महाभियोग की प्रक्रिया काफी जटिल और राजनैतिक।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने 108 पेज के फैसले में प्रशान्त भूषण के ट्वीट्स को विद्वेषपूर्ण (मैलिशॅस) फूहड़ (स्कॅरिलस) और अपमानजक (स्कैनडलस) कहा है। कोर्ट के अनुसार इस ट्वीट्स ने न्यायपालिका में जन विश्वास को क्षीण (इरोड) किया है और इस पर नागरिक के अभिव्यक्ति के अधिकार के रूप में विचार नहीं किया जा सकता। यह ट्वीट लाखें लोगों तक पहुंचा है। ट्वीट का दूसरा हिस्सा मुख्य न्यायाधीश की आलोचना है। फैसले में इसे तथ्यात्मक रूप से गलत कहा गया है कि कोर्ट लॉकडाउन में है। शारीरिक उपस्थिति से सुप्रीम कोर्ट में कार्य नहीं हो रहा है, पर कोविड-19 के दौरान वीडिया कांफ्रेंसिंग के द्वारा कार्य हो रहे हैं। कोर्ट में 23 मार्च से 4 अगस्त तक 12,748 मामलों की सुनवाई हुई है और 879 बार कोर्ट ऑनलाइन बैठी है। फैसले में भारतीय न्यायपालिका को लोकतंत्र का मात्र एक स्तंभ न कहकर इसे प्रमुख स्तंभ कहा गया है, जो कानून के नियम का सुदृढ़ आधार/मूल सिद्धान्त है। संवैधानिक लोकतंत्र की इस बुनियाद को हिलाने के प्रयत्न को सख्त हाथों से बर्ताव किया जाएगा। ट्वीट ने इस आधार को अस्थिर करने का प्रयत्न किया है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद प्रमुख समाचार पत्रों के सम्पादकीयों, टिप्पणियों के साथ विधि विशेषज्ञों, वेत्ताओं, संविधान विशेषज्ञों, बुद्धिजीवियों, प्रमुख स्तंभ लेखकों, इतिहासकारों, अर्थशास्त्रियों, सक्रियतावादियों आदि की प्रतिक्रियाओं का सिलसिला जारी है।

प्रोफेसर प्रीतम बरूआ (जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल) ने, अपने एक लेख प्रशान्त भूषंस कन्टेम्प्ट एंड द रिपब्लिक्स फ्यूडल वेसटिज में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का व्यावहारिक तर्क (आपरेटिव लॉजिक) दो माना है - मान-मर्यादा या गरिमा को क्षतिग्रस्त करना और कोर्ट का अधिकार। प्रीतम बरूआ ने लिखा है कि फैसले में 31 बार डिगनिटी और 50 बार अथॅरिटी शब्द प्रयुक्त हुए हैं। कोर्ट इन दोनों पदों को स्पष्ट करने में विफल रहा है। ये दोनों पद अस्पष्ट, अंधकारमय (मर्की) और पूर्व विक्टोरियन पद है। 1971 के ऐक्ट में डिगनिटी ?शब्द का कोई उल्लेख नहीं है। अपने लेख में प्रीतम बरूआ ने विस्तार से प्रतिष्ठा और गरिमा संबंधी तीन प्रमुख विचारों की चर्चा की है। अपने सार या वास्तविक रूप में डिगनिटी तभी प्रासंगिक होगा, जब हम इस पद को एक सामंती, भेदमूलक और श्रेणीबद्ध रूप में स्वीकारें।

प्रशान्त भूषण के ट्वीट्स के दो महीने के भीतर उन पर अवमानना केस की सुनवाई हुई और फैसला भी आ गया, जबकि लम्बे समय से वहां बड़े मामलों में कोई सुनवाई नहीं हुई है। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लम्बित है। 370 का मामला भी कोर्ट में लम्बित है। कश्मीर के छात्रों और बच्चों को बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित रखा गया, कश्मीर में इंटरनेट बंद कर एक वर्ष तक शिक्षा और ज्ञान के साधनों को रोका गया। कोर्ट ने अवमानना-संबंधी केस को सबसे अधिक वरीयता और प्रमुखता दी। एक हजार आठ सौ से अधिक वकीलों ने अपने एक वक्तव्य में अवमानना मामले की सुनवाई बड़ी बेंच द्वारा खुली अदालत में करने की मांग की हैं इन्होंने फैसले की निन्दा की है। हस्ताक्षरकताओं ने अपने वक्तव्य में यह कहा है कि मूक वकील समुदाय मजबूत कोर्ट की अगुआई नहीं कर सकता। इनके अनुसार न्यायपालिका की स्वतंत्रता का यह अर्थ नहीं है कि जज परीक्षण टिप्पणी से परे हैं। फैसले के बाद देश भर से उठी आवाजों को कोर्ट द्वारा सुने जाने में इन्होंने विश्वास प्रकट किया हैं तीन हजार से अधिक हस्ताक्षरकताओं ने, जिनमें देश के प्रतिष्ठित सेवा निवृत्त जज, वकील, कानून विद, बुद्धिजीवी और प्रमुख व्यक्ति हैं, ने यह सुझाव दिया है कि अवमानना मामले में प्रशान्त भूषण को दी जाने वाली सजा पर बड़ी बेंच के रिव्यू से पहले अमल न हो। कोरोना महामारी के बाद आरंभ होने वाली कोर्ट की नियमित सुनवाई में बड़ी बेंच इसकी रिव्यू करे। सुप्रसिद्ध इतिहासकार रामचन्द्र गुहा ने सुप्रीम कोर्ट के माननीय जज महोदयों को सम्मान और पीड़ा के साथ लिखे अपने पत्र में सर्वोच्च न्यायालय के कामकाज के प्रति लोगों के घटते विश्वास पर चिंता प्रकट की है। उन्होंने भातीय लोकतंत्र के पतन के इस हिस्से में निश्चित रूप से अदालत की केन्द्रीय भूमिका? देखी है और यह लिखा है कि हाल के वर्षों में इसने इसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया है तब सुप्रीम कोर्ट की प्रतिष्ठा आपातकाल के बाद से अब तक शायद सबसे निचले स्तर पर है। गौतम भाटिया ने एक वर्ष पहले लिखा था यह ऐसा संस्थान बन गया है, जो कार्यकारी की भाषा बोलता हो, जिसे कार्यकारी से अलग करना मुश्किल हो गया हो। सुहास पलसीकर ने अपने एक ताजा लेख में भारतीय राज्य के उत्पीड़क में तब्दील होने के समय न्यायपालिका का इस ओर से मुंह फेर लेने पर चिंता प्रकट की है। हमारी आँखों के सामने लोकतंत्र और संवैधानिक ढाँचा टूट कर बिखर रहा है। गुहा ने लिखा है - आज की अदालत को भविष्य में आनेवाली पीढ़ियों के लोग कार्यकारी के अदालत के रूप में ही देखेंगे... इस रूप में देखेंगे जो कार्यकारी के साथ मिलीभगत कर काम करता है।

(लेखक वरिष्ठ आलोचक एवं सामाजिक, राजनीतिक चिंतक हैं, संपर्क 09431103960)

क्या भारत समाजवादी के बिना धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र हो सकता है?

प्रसंगवश

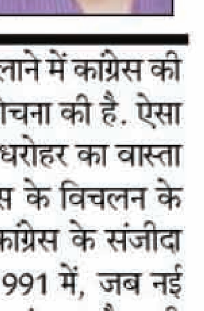

प्रेम सिंह

5 अगस्त 2020 को अयोध्या में राम-मंदिर के भूमि-पूजन की घटना बहुसंख्यक साम्प्रदायिकता की राजनीतिक-सामाजिक स्वीकृति पर मुहर कही जा सकती है. इस घटना पर संविधान और भारतीय गणतंत्र के हवाले से जितने लेख/न्यूज-स्टोरी/सम्पादकीय/पार्टी-विज्ञप्तियां/टिप्पणियां आदि देखने में आए, उनमें एक बात समान रूप से मिलती है. वह यह कि किसी भी बुद्धिजीवी अथवा नेता ने भारतीय राजनीति (पोलिटी) और समाज की इस चिंताजनक परिघटना के लिए करीब तीन दशक के कारपोरेट पूंजीवाद की गौण भूमिका भी स्वीकार नहीं की है. वे मानते प्रतीत होते हैं कि सांप्रदायिकता की लगभग सर्वग्रासी पैठ 'नए भारत' की आर्थिक नीतियों और विकास के मॉडल से असम्पृक्त है और आगे भी ऐसा ही रहेगा.

धर्मनिरपेक्ष बुद्धिजीवियों ने 5 अगस्त की घटना को ठीक ही धर्मनिरपेक्ष भारतीय गणतंत्र का ध्वंस कहा है. उनमें से किसी ने तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए आरएसएस/भाजपा को कोसा है; किसी ने इंग्लिश इलीट को दोष दिया है; किसी ने कांग्रेस समेत धर्मनिरपेक्षतावादी पार्टियां को दोषी बताया है; किसी ने हिंदी पट्टी की साम्प्रदायिक जनता के मत्थे ठीकरा फोड़ा है; किसी ने मध्यवर्गीय भारत को कटघरे में खड़ा किया है, जहां परिवारों में सांप्रदायिकता फूली-फली है. लेकिन इनमें किसी ने अपने विश्लेषण में परोक्ष रूप से भी नवउदारवादी नीतियों की भूमिका का जिक्र नहीं किया है. कुछ भले लोगों ने माना है कि प्रधानमंत्री के हाथों मंदिर का भूमि-पूजन संपन्न होने के बाद एक पुराना विवाद खत्म हुआ. अब विवाद पर मिट्टी डाल कर देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ाना चाहिए. ऐसे लोगों ने नवउदारवादी नीतियों के तहत ही देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने की वकालत की है.

यह कहने वालों ने कि प्रधानमंत्री ने भूमि-पूजन के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर संविधान के प्रति ली गई शपथ का उल्लंघन किया है, यह कतई ध्यान नहीं दिलाया कि अंधाधुंध निगमीकरण/निजीकरण भी संविधान के प्रति ली गई शपथ का उल्लंघन है. कांग्रेस के कतिपय संजीदा नेताओं ने साथी-कांग्रेसियों द्वारा 5 अगस्त को ऐतिहासिक दिन बताने और उस दिन को लाने में कांग्रेस की पहल और भूमिका याद दिलाने की आलोचना की है. ऐसा करते वक्त उन्होंने कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष धरोहर का वास्ता तो दिया है, लेकिन उस धरोहर से कांग्रेस के विचलन के कारणों पर कोई रोशनी नहीं डाली है. कांग्रेस के संजीदा नेता ही यह कहते तो बेहतर होता कि 1991 में, जब नई आर्थिक नीतियां थोपी गई थीं, भारतीय गणतंत्र का वैसा ही ध्वंस हुआ था.

यह परिदृश्य साफ तौर पर दर्शाता है कि धर्मनिरपेक्ष बुद्धिजीवी और नेता पिछले तीन दशक के नवउदारवादी अनुभव से कोई सीख लेने को तैयार नहीं हैं, जिस दौरान बहुसंख्यक साम्प्रदायिकता का उभार उत्तरोत्तर मजबूत होता गया है. 5 अगस्त की भूमि-पूजन की घटना मौजूदा आक्रामक बहुसंख्यक साम्प्रदायिकता की ही एक परिणति है. साम्प्रदायिक राजनीति के रास्ते का यह पड़ाव कारपोरेट-परस्त नीतियों के चलते आया है, इसे समझने के लिए बहुत ब्यौरों में जाने की जरूरत नहीं है. एक उदाहरण से ही सच्चाई समझी जा सकती है - नरेंद्र मोदी और अमित शाह के गुजरात में हिंदुत्व और कारपोरेट की संयुक्त प्रयोगशाला कायम की गई थी. अब पूरा देश वैसी प्रयोगशाला बन रहा है. यह अकारण नहीं है कि कमंडलवादी राजनीति की काट बताई जाने वाली मंडलवादी राजनीति आरएसएस/भाजपा के सांप्रदायिक फासीवाद के सामने नतमस्तक है. अति पिछड़े प्रधानमंत्री और दलित राष्ट्रपति के होते, पहले प्रायः शहरों तक सीमित रहने वाली साम्प्रदायिकता देश के गांव-गांव तक पहुच गई है. ऐसे में लगता यही है कि 5 अगस्त की घटना पूणार्हुति नहीं है.

जाहिर है, धर्मनिरपेक्ष बुद्धिजीवी और नेता इस विश्वास से परिचालित हैं कि निगमीकरण/निजीकरण की नीतियों के साथ संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता बनाए रखी जा सकती है. नवउदारवाद के समर्थक बुद्धिजीवी तो शुरू से ही यह मानते हैं, लेकिन समाजवादी/सामाजिक न्यायवादी बुद्धिजीवियों का पतनाला भी घुमा-फिर कर वहीं गिरता है. फर्क इतना है कि नवउदारवाद के सीधे समर्थक बुद्धिजीवी यह जताते हैं कि उनका अभिजात मन एक साफ-सुथरा नया भारत चाहता है. उसमें साम्प्रदायिक तत्वों का हुडदंग उन्हें पसंद नहीं है. जबकि समाजवादी/सामाजिक न्यायवादी बुद्धिजीवी अल्पसंख्यकों, खास कर मुसलमानों और ईसाईयों के मन में यह भ्रम बनाए रखना चाहते हैं कि भारत निगमीकरण/निजीकरण की नीतियों के बावजूद धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र बना रह सकता है. जरूरत धर्मनिरपेक्ष नेताओं को शऊर सीखने की है. इसीलिए उनका तर्क है कि 5 अगस्त को आरएसएस/भाजपा की जीत नहीं, धर्मनिरपेक्ष राजनीति की हार हुई है. इसका निहितार्थ है कि नए भारत, यानी समाजवाद/सामाजिक न्याय की संवैधानिक प्रतिबद्धता से रहित भारत में, धर्मनिरपेक्ष राजनीति करने का शऊर नेताओं में नहीं है. अगर वे यह शऊर सीख लें तो आरएसएस/भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति वे नहीं चलने देंगे. उन्होंने ने आम आदमी पार्टी (आप) की स्थापना और उसकी 'क्रांतिकारी' राजनीति के रूप में शऊर की एक बानगी पेश भी की है.

5 अगस्त की घटना पर धर्मनिरपेक्ष बुद्धिजीवियों की प्रतिक्रिया इस सच्चाई को एक बार फिर सामने ले आती है कि उनकी नजर में निगमीकरण/निजीकरण की नीतियां संविधान और भारतीय गणतंत्र, जिसे उद्देशिका में 'समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक' कहा गया है, के विरोध में नहीं हैं. उन्हें थोपने से संविधान का मूल ढांचा (बेसिक स्ट्रक्चर) नहीं बदला है. यह सब देख कर कहा जा सकता है कि भारत में संविधानवाद नाम का रह गया हैं. दरअसल, संविधानवादियों को पिछले तीन दशकों में निगमीकरण/निजीकरण के तहत बनने वाली दुनिया में विचरने की लत लग चुकी है. वे धर्मनिरपेक्षता के प्रतिनिधि प्रवक्ता के रूप में फोर्ड फाउंडेशन व अन्य विदेशी स्रोतों से धन लेते हैं, बड़ी रकम वाले इनाम-इकराम लेते हैं, विश्व समाज मंच (वर्ल्ड सोशल फोरम) से लेकर भ्रष्टाचार के खिलाफ भारत (इंडिया अगेंस्ट करप्शन) जैसे आंदोलन चलाते हैं, नया भारत बनाने के लिए स्थापित किए जाने वाले सरकारी ज्ञान आयोग और सलाहकार समितियों के सदस्य बनते हैं, स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक की नियामक संस्थाओं को शिक्षा के नवउदारवादी अजेंडे के अनुकूल बनाने का काम करते हैं, नवउदारवादी नीतियों से तबाह होने वाले समूहों की दशा पर बतौर विशेषज्ञ रपट/किताब तैयार करते हैं, देश में तेजी से स्थापित हो रहे निजी विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर और वाईस चांसलर बनते हैं, अखबारों/पत्रिकाओं/चैनलों में लेख और वक्तव्य देते हैं. कहने की जरूरत नहीं कि वे यह सब न करके नवउदारवादी नीतियों के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई का आगाज भी कर सकते थे ताकि साम्प्रदायिक राजनीति को सेण्टर स्टेज से बाहर धकेला जा सके. लेकिन वह उन्हें जरूरी कर्म नहीं लगा.

बहरहाल, उपनिवेशवादी दौर से चली आ रही साम्प्रदायिकता की जटिल समस्या नवउदारवादी दौर में और अधिक जटिल हुई है. बहुसंख्यक साम्प्रदायिकता के साथ अल्पसंख्यक साम्प्रदायिकताओं का जटिल सवाल भी जुड़ा हुआ है. बहुसंख्यक साम्प्रदायिकता के इस कदर हावी होने से अल्पसंख्यक साम्प्रदायिकताएं दबी नहीं रह सकतीं. खालिस्तान समर्थकों की खबरें देश और विदेश में लगातार आती रहती हैं. ऐसी खबरें भी आई कि विदेश में रहने वाले खालिस्तान समर्थकों ने पंजाब की राजनीति में कांग्रेस और अकालियों का वर्चस्व तोड़ने के लिए आम आदमी पार्टी का समर्थन किया. अगर देश के धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक-बौद्धिक नेतृत्व के बीच यह आम सहमती है कि निगमीकरण/निजीकरण की नीतियों के साथ संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता बनाए रखी जा सकती है, तो उनकी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे गंभीरता पूर्वक बताएं कि यह जरूरी काम कैसे संभव होगा?

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी के शिक्षक हैं)

मेरा क्या होगा

(कश्मीरी पंडितों के नाम)

तुम्हें लगता है तुम्हारे निर्वासन पर खुश हुआ था मैं
तुम्हें यही लगता है कि हड़प कर तुम्हारी घर-गृहस्थी
मालामाल हो जाने का स्वप्न था मेरा
तुम्हारे विरसे का स्वामित्व
पृथ्वी का एकाधिकार पाउंगा मैं
आकाश को खींच कर कदम तले बिछाऊंगा मैं
तुम्हें यही लगता है कि इसी ताक में था मैं
सपनों के महल बनाऊंगा मैं श्मशानों पर
तुम्हारी हर स्मृति हर चीज को मिटाकर
छोड़ूंगा अपनी छाप, पर तुम्हें नहीं पता
कि जरूर किए मैंने श्मशानों पर खड़े अपने
स्वप्न महल और मेरे अपने ही सपने हुए भस्म
मैंने पहन लिया तुम्हारा फिरन वो बन गया कफन मेरा
मैंने बाट ली तुम्हारी शिखा की रस्सियां
इस तरह मिटाते हुए तुम्हारे निशान
मिट गई मेरी अपनी अस्मिता जैसे पदचिह्न रेत से
लील जाते हुए तुम्हारा वजूद
जाने कहां गया मेरा होना
कल ही बनाई मैंने एक नयी मोहर
और उस चीज पर लगा दी जो तुम्हारी थी
पर सोचा नहीं इन कब्रिस्तानों का क्या करूं
जो फैलते जा रहे हैं रोज रोज इतनी हैं लाशें..
तुम तो चिता की आग में एक दिन हो जाओगे लीन
मगर मेरी कब्र, क्या होगा उसका

- बशीर अतहर

(अनुवाद : अग्निशेखर)

व्यंग्य

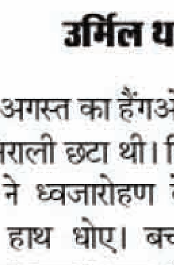

आजादी का हैंगओवर

उर्मिल थपलियाल

पन्द्रह अगस्त का हैंगओवर अभी भी व्याप्त है। क्या निराली छटा थी। विभिन्न स्थानों पर प्रमुख लोगों ने ध्वजारोहण के बाद सैनिटाइजर से अपने हाथ धोए। बच्चों ने मास्क लगाकर राष्ट्रगान गाया। लाल किले पर प्रधानमंत्री के भाषण के समय केजरीवाल जी भी बैठे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के बंदे मातरम का जवाब तक नहीं दिया। वाकई खुंदक हो तो ऐसी हो। कुछ लोगों ने सावधानी बरती की तिरंगा उल्टा ना हो। गजब की बात ये थी कि पुराने जमाने में ध्वजारोहण के समय लोग टोपी पहनते थे। अब मास्क पहनने लगे हैं। देश भक्ति में भी सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी हो गई है। गजब की बात तो ये भी है कि महात्मा गांधी ने कभी टोपी नहीं पहनी मगर टोपी उन्हीं के नाम से मशहूर हुई। जिस नेहरू ने हमेशा टोपी पहनी उनकी भी वास्केट प्रसिद्ध हुई टोपी नहीं।

बाढ़ के समय जिन राहत अधिकारियों की बांछें खिल गई थी उनके घर सुनार आने लगे हैं। बीवियां गहनों से लद गई हैं। बात सही भी है अंतकाल पछताने से तो अच्छा है जितना लूट सको तो लूट लो। लुटेरे ही इतिहास बनाते हैं। इज्जत के अलावा सब कुछ लुट भी जाए तो पाप नहीं लगता। सोमनाथ मंदिर कई बार लूटा गया। इसीलिए वह मशहूर हुआ न लुटता तो गजनबी को कौन जानता। इज्जत भी दौलत होती है इसीलिए उसे लूटा जाता है। कोरी इज्जत किसी काम की नहीं होती।

गजब का कोरोना काल है । क्योंकि अब चौपाले नहीं लगतीं इसलिए पीपल के वृक्षों ने ऑक्सीजन देना छोड़ दिया है। मिलकर जुआ खेलना कम हो गया है। संयुक्त परिवार वाले जो कभी एक साथ रहते थे, अब अपने अपने कमरों में चले गए हैं। इधर अजीब सा सन्नाटा छाया हुआ है चारों तरफ। पता नहीं शांति से पहले का है या बाद का। इसमें बुलबुले जरूर फूट रहे हैं मगर बुलबुलें नहीं है। सैय्याद भी इसलिए मुस्कुरा रहा है कि कोई उसे गुदगुदी कर रहा है। अजीब सूनापन है जैसे महाभारत युद्ध के दौरान शाम को सेनाएं विश्राम कर रही हों। सब मिलकर पपलू खेल रहे हों। कई वामपंथी बेटियों ने अपना क्रांति नाम बदलकर कांति कर लिया है। कुछ ने तो अपना नया नाम शांति रख लिया है। नारे अब ड्राइंग रूम में लिखे जाते हैं। वही लगाए जाते हैं। लाल सलाम के बाद जलपान संपन्न होता है। चौकीदार भी तो जगतों को जगाने का काम करता है। कुछ लोग रातभर इसलिए नहीं सोते कि सुबह के सपने सच होते हैं। लेकिन हुआ क्या। अच्छे दिनों वाले सपने हमने सुबह सुबह ही देखे थे। कहावत है कि बाप ना मारे मेंढकी बेटी तीरंदाज। बेटी धनुष बाण नहीं चलाती थी। उसके तो नयनों के बाण ही बड़े तीखे थे। बाद में एक फिल्मी गाना भी आया कि मत मारो जी नैनो से बाण रे चाहे पूरे प्राण ले लो। नैनो के बाण प्राण नहीं लेते बस घायल कर देते हैं। ऐसे घायलों का इलाज किसी अस्पताल में नहीं होता। मरणोपरांत और मरणासन्न में फर्क होता है। इस देश में शांतभूषण न जाने कब प्रशांतभूषण हो जाएं पता ही नहीं चलता।

पिछली पन्द्रह अगस्त को मुझे महसूस हुआ कि नियमों से बंधा रहना तो गुलामी है। हमारे बाप दादा ने हमें आजादी दी है तो हम मौज क्यों न मारें। कहते हैं ना कि बाप कमाता है बेटा खाता है। पोता उड़ाता है। पूरा खानदान आजाद है तो गवर्नमेंट क्या कर सकती है। स्वतंत्रता का इससे बड़ा सुख क्या होगा कि पुलिस वालों को चपत मार दो। दरोगा को हड़का दो और थाने में ताला जड़वा दो। इस सबमें संविधान कहीं आड़े नहीं आता। वैसे भी आजादी भोगते हुए हम लोग सीनियर सिटीजन हो गए हैं। कई मुर्दों को तो पेंशन भी मिल रही है।

(लेखक वरिष्ठ व्यंग्यकार हैं)

रचनाएं हमें ई-मेल से भी भेज सकते हैं-
<raisubhash953@gmail.com>

क्रियायोग सन्देश

प्रयागराज शुक्रवार, 21 अगस्त, 2020

धृतराष्ट्र उवाच में चेतना के विभिन्न स्तरों की अनुभूति

धृतराष्ट्र उवाच क्रियायोग का प्रारंभिक अभ्यास हैं। जैसे-जैसे इस अभ्यास की गहराई में उतरते हैं वैसे-वैसे गीता का एक-एक अभ्यास हमारे अंदर प्रकट होने लगता है। धृतराष्ट्र उवाच के अभ्यास से अंतः करण में गीता के अट्ठारह अभ्यास प्रकाशित हो जाते हैं। अंधा मन धृतराष्ट्र के रूप में है। जब शरीर राष्ट्र पर अंधे मन का शासन होता है तब शरीर में उसी प्रकार के अवस्थाएं होने लगती हैं। जैसे धृतराष्ट्र के द्वारा हस्तिनापुर में अव्यवस्था हुई थी। मन इंद्रियों के सहारे ही विषयों का भोग करता है। बिना इंद्रियों के मन, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध की अनुभूति नहीं कर सकता है। इसीलिए मन को अंधा कहा जाता है। अंधा मन हमेशा द्वंद की अनुभूति करता है, इस कारण मन हमेशा सीमित अनुभूत में रहता है। वह सोचता है कि उसके पास शक्ति, ज्ञान, शांति, सब कुछ कम है। इस कारण मन डरा डरा रहता है और अनेक प्रकार की गलतियां करता है। उवाच का अभ्यास क्रियायोग का अभ्यास है जैसे-जैसे 'उवाच' का अभ्यास गहरा होता जाता है, वैसे-वैसे मन का अंधापन दूर होने लगता है। उवाच को समझने के लिए 'उवाच' में छिपे हुए ज्ञान का प्राथमिक बोध आवश्यक है। 'उ' और 'वाच' से मिलकर उवाच बना है 'उ' ऊर्धव दिशा का संबोधन है तथा 'वाच' कार्य अभिव्यक्ति को संबोधित करता है। चित्र में मेडुला के अंदर स्थित उपस्थित केंद्र को उच्चतम बिंदु कहा जाता है । क्रिया योग के अभ्यास से पूरे शरीर की जीवन शक्ति सिर व रीढ़ की ओर प्रवाहित होकर मेडुला की ओर केंद्रित होने को ऊर्धवा दिशा में यात्रा करते हैं, इसे ही स्वर्गारोहण भी कहते हैं।

राजयोग (क्रियायोग) के ज्ञाता को राजा कहा जाता था

राजयोग के अभ्यास द्वारा जब मनुष्य अपने सिर व रीढ़ के अंदर स्थित सप्तचक्रों (मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनहत, विशुद्धि, आज्ञा, सहस्त्रार) को जागृत कर लेता है तो उसे चक्रवर्ती राजा कहा जाता था ।

क्रियायोग संस्थान झूंसी में क्रियायोग के बारे में जानकारी देते क्रियायोग गुरू योगी सत्यम

अणु परमाणु परमात्मा का सिंहासन : स्वामी श्री योगी सत्यम

अणु परमाणु माया का स्वरूप है और यह स्वरूप परमात्मा से प्रकट हुआ है। परमात्मा स्वयं माया के रूप में प्रकट होकर माया को सिंहासन के रूप में प्रयोग करते हैं। परमाणु में सतत ध्यान केंद्रित करने पर परमात्मा की उपस्थिति अनुभव होती है, मनुष्य के लिए और परमाणुओं का निकटतम समूह उसका स्वयं का दृश्य रूप है। जिससे शरीर कहते हैं, शरीर में मन को केंद्रित करने पर जब शरीर और मन के बीच दूरी शुन्य हो जाती है तो शरीर के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान होता है। अदृश्य परमात्मा स्वयं शरीर के रूप में प्रकट हो रहे हैं, जिस शरीर को हम हाड मांस कहते हैं वह सर्वज्ञ -सर्वशक्तिमान- अमर तत्व है। जिसका कभी विनाश नहीं होता है केवल रूप बदलता है। जिस प्रकार अंडे के अंदर जीव जंतु व बीज में पेड़ छिपा होता है, उसी तरह अदृश्य जगत में शरीर का दृश्य रूप छिपा रहता है। क्रिया योग विज्ञान को पूर्ण रूप में बोले व लिखे गए शब्दों अथवा चित्र के माध्यम से समझना व समझना संभव नहीं है। इसे ठीक तरह समझने के लिए क्रियायोग ध्यान का अभ्यास आवश्यक है। क्रियायोग ध्यान में निर्विकल्प समाधि लगने पर मेडुला में कूटस्त का दर्शन होता है, जो परमात्मा का स्वरुप है। इस ज्ञान की अनुभूति होने पर मनुष्य जब तक चाहे तब तक शरीर के दृश्य रूप को बनाएं रख सकता है।